दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-5 अंक-118, भोपाल शुक्रवार 11 मार्च 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"जिस प्रकार से श्रम करने से शरीर मजबूत होता है, उसी प्रकार से कठिनाईयों से मस्तिष्क सुदृढ़ होता है।" - सेनेका

उप्र, उत्तराखंड, गोवा एवं मणिपुर में भाजपा एवं पंजाब में आप की सरकार!

चन्नी दोनों सीटों पर आप कैंडिडेट से हारे, केजरीवाल बोले- मुझे आतंकवादी कहने वालों को पंजाब ने जवाब दिया

जालंधर/अमृतसर/लुधियाना, एजेंसी। पंजाब में सियासी बदलाव के कयास तो पहले से थे, लेकिन आज आए चुनाव नतीजों ने तो बदलाव की नई परिभाषा तय कर दी है। यहां आम आदमी पार्टी ने न सिर्फ बहुमत के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया, बल्कि विनिंग सीट्स का ऐसा पहाड़ खड़ा कर दिया कि कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा समेत उसके सहयोगी मिलकर भी आप के लगभग चौथाई हिस्से तक ही पहुंच पा रहे हैं। आप के सीएम कैंडिडेट भगवंत मान ने 45 हजार वोट से रिकॉर्ड जीत दर्ज की है, वहीं मौजूदा सीएम चरणजीत चन्नी अपनी दोनों सीटों से चुनाव हार गए हैं। दोनों ही सीटों पर उन्हें आप कैंडिडेट ने हराया। उनके अलावा नवजोत सिंह सिद्धू, कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुखबीर सिंह बादल भी चुनाव हार चुके हैं।

केजरीवाल बोले- मुझे आतंकवादी कहने वालों को जवाब मिला

बंपर जीत के केजरीवाल ने कहा, आपने देखा कि पंजाब में कितने बड़े षड़यंत्र किए गए। आखिर में ये सारे इकट्ठे होकर बोले कि केजरीवाल आतंकवादी है। इन नतीजों के जरिए देश की जनता ने बता दिया कि केजरीवाल आतंकवादी नहीं है, केजरीवाल देश का सच्चा सपूत है। केजरीवाल सच्चा देशभक्त है।

शपथ समारोह भगत सिंह के गांव में होगा

जीत के बाद भगवंत मान ने पंजाब की जनता को संबोधित किया। वे कल पद की शपथ लेंगे। शपथ समारोह भी राजभवन की जगह शहीदे आजम भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड़ कलां में होगा। इससे पहले सीएम की शपथ राजभवन में होती रही है। शपथ लेने से पहले मान शहीदी स्मारक पर माथा टेकने भी जाएंगे।

योगी एक लाख वोटों से जीते गोरखपुर

उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर मोदी-योगी के डबल इंजन से ही चलने का फैसला कर लिया है। रुझानों में भाजपा 260 प्लस सीटें हासिल करती दिख रही है। हालांकि, रुझान यह भी बता रहे हैं कि योगी पिछली बार वाली परफॉर्मेंस नहीं दोहरा पाए हैं। पिछली बार 312 सीटें भाजपा के खाते में गई थीं।

भाजपा को 60 सीटों का नुकसान हो रहा है और इसका फायदा अखिलेश उठा रहे हैं। सपा को 80 सीटों का फायदा हो रहा है और इसीलिए वह अभी भी पॉजिटिव सोच बनाए हुए है। सपा ने ट्वीट किया कि 100 सीटों पर वोटों का अंतर 500 वोटों का है इसलिए कार्यकर्ता और नेता अलर्ट रहें। सबसे बुरा हाल बसपा और कांग्रेस का है। ये दोनों पार्टियां अभी तक उतनी सीटें भी नहीं जीत पाई हैं, जितने फेज में चुनाव हुए यानी 7 से भी कम। कांग्रेस तो सोनिया गांधी के गढ़ रायबरेली में ही तीसरे नंबर पर है। यहां भाजपा की अदिति आगे चल रही हैं। गोरखपुर में योगी और करहल में अखिलेश आगे चल रहे हैं। चुनाव से पहले अखिलेश का हाथ थामने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य फाजिल नगर में हार गए। टीईटी पेपर लीक में घिरे योगी के मंत्री सतीश द्विवेदी सिद्धार्थनगर भी इटवा सीट नहीं जीत पाए। कैराना में भी भाजपा को हार मिली, यहां सपा के नाहिद हसन जीते। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह लल्लू को कुशीनगर में हार मिली।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी हारे चुनाव, कांग्रेस प्रत्याशी भुवन कापड़ी ने करीब सात हजार वोटों से हराया, हरीश रावत भी हारे

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खटीमा सीट से चुनाव हार गए हैं। वह ऐसे तीसरे मुख्यमंत्री बने गए हैं, जो चुनाव हारे हैं। आपको बता दें कि इससे पहले 2012 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार ने बीसी खंड़ूड़ी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा, लेकिन बीसी खंडूड़ी खुद चुनाव हार गए थे। वहीं, 2017 में कांग्रेस सरकार ने मुख्यमंत्री हरीश रावत के नेतृत्व में चुनाव लड़ा लेकिन वह खुद दो सीटों से चुनाव हार गए थे। इस सूची में पुष्कर सिंह धामी का नाम भी दर्ज हो गया है।

2012 में बीसी खंडूड़ी को कांग्रेस नेता सुरेंद्र सिंह नेगी ने हराया: आपको बता दें कि वर्ष 2012 में भाजपा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मेजर जनरल (सेनि) भुवन चंद्र खंडूड़ी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया है। उस समय नारा चला था कि खंडूड़ी है जरूरी। भुवन चंद्र खंडूड़ी ने कोटद्वार विधानसभा सीट से ताल ठोंगी। खंडूड़ी को कांग्रेस प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह नेगी 4623 वोटों से हराया। बीसी खंडूड़ी को 27174 वोट पड़े, जबकि सुरेंद्र सिंह नेगी को 31797 वोटा मिले थे। आपको बता दें कि 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत के नेत्वृत में चुनाव लड़ा था। हरीश रावत दो विधानसभा सीट (हरिद्वार ग्रामीण और किच्छा) से चुनाव लड़ा। लेकिन वह दोनों सीटों से चुनाव हार गए थे। हरिद्वार ग्रामीण से उन्हें यतीश्वरानंद ने 12278 वोटों से हराया। वहीं, किच्छा से उन्हें भाजपा प्रत्याशी राजेश शुक्ला ने 2127 वोटों से हराया।

झूलन गोस्वामी ने वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेकर रचा इतिहास

हेमिल्टन, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप मुकाबले में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। चकदा एक्सप्रेस के नाम से मशहूर 39 साल की झूलन ने वनडे वर्ल्ड कप में 39 विकेट अपने नाम कर लिए हैं। झूलन ने वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिन फुलस्टन की बराबरी कर ली है। फुलस्टन ने 1982-1988 के बीच वर्ल्ड कप में खेले 20 मैचों में ये कमाल किया था। वहीं, झूलन को 39 विकेट लेने में 30 मैच लगे। झूलन गोस्वामी ने गुरुवार को न्यूजीलैंड की कैटी मार्टिन को अपना 39वां शिकार बनाया। उनको ये विकेट आखिरी ओवर में मिला। मैच में झूलन ने 9 ओवर गेंदबाजी की और 41 रन देकर एक विकेट अपने नाम किया। साथ ही उन्होंने एक मेडन ओवर भी डाला। अब तक बंगाल की इस तेज गेंदबाज ने 12 टेस्ट में 44 विकेट, 197 वनडे में 248 विकेट और 68 टी-20 मैच में 56 विकेट ले लिए हैं। टीम इंडिया को वर्ल्ड कप में अगला मुकाबला 12 मार्च को खेलना है।

तरबूज से पिकअप में ले जा रहे थे 10 लाख का गांजा, दो गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पुलिस ने गांजा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की है। ओडिशा से गांजा तस्करी करते 2 तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्करों के पास से लगभग 1 क्विंटल गांजा बरामद किया गया है। बताया जा है कि बरामद किए गए गांजा की कीमत लगभग 10 लाख रुपए है। फिलहाल पुलिस इस मामले में अब भी तस्करों से पूछताछ कर रही है। तस्कर तरबूज से भरी पिकअप वाहन में गांजा छिपा कर दंतेवाड़ा की तरफ आ है थे इस दौरान कार्रवाई की गई है। मामला जिले के कुआकोंडा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, दंतेवाड़ा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा से भारी मात्रा में गांजा की तस्करी की जानी है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा में चेकपोस्ट लगाया और आने-जाने वाली वाहनों की तलाशी लेनी शुरू की। तलाशी के दौरान सुकमा जिले की तरफ से आ रही एक पिकअप वाहन को पुलिस ने रुकवाया और वाहन की तलाशी ली गई। पिकअप में तरबूज भरा हुआ था। और इस तरबूज के नीचे चार बड़ी बोरियों में लगभग 1 क्विंटल गांजा छिपा कर रखा हुआ था। पुलिस ने महानंदा मंडल (33) और प्रजीत गोलदर (28) को गिरफ्तार कर गांजा बरामद कर लिया है। कुआकोंडा थाना प्रभारी खोमन भंडारी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

सुकमा में दिन दहाड़े नक्सलियों ने हाइवा वाहन को लगाई आग

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में माओवादियों ने दिन दहाड़े तांडव मचाया है। अंदरूनी इलाके में सड़क निर्माण कार्य में लगी एक हाइवा वाहन को माओवादियों ने आग के हवाले कर दिया है। बताया जा रहा है कि करीब 8 से 10 की संख्या में माओवादी पहुंचे थे जिन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया है। मामला जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित धर्मापेंटा के पास माओवादियों ने आगजनी की वारदात को अंजाम दिया है। इस मार्ग से हाइवा वाहन के माध्यम से सड़क निर्माण काम के लिए गिट्टी की ढुलाई का काम किया जा रहा था। जब वाहन धर्मापेंटा गांव के नजदीक पहुंची तो उस बीच जंगल की तरफ से अचानक 8 से 10 माओवादी सड़क पर पहुंच गए। जिन्होंने वाहन को रुकवाया। फिर चालक को नीचे उतार उससे मोबाइल फोन ले लिया था। जिसके बाद माओवादियों ने हाइवा वाहन का डीजल टैंक फोड़ कर वाहन में आग लगादी। आगजनी की वारदात को अंजाम देने के बाद माओवादियों ने चालक का मोबाइल लौटा दिया। इधर, मामले की जानकारी मिलते ही किस्टाराम थाना के जवान मौके में पहुंच गए हैं। इलाके की सर्चिंग की जा रही है।

हिजाब को लेकर दो गुट भिड़े, पुलिस ने दर्ज की तीन प्राथमिकी

मंगलुरु, एजेंसी। हिजाब पहनने को लेकर छात्रों के दो गुटों के बीच टकराव के बाद मंगलुरु में तीन मामले दर्ज किए गए हैं। मंगलुरु के पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने मंगलवार को कहा, कुछ लड़कियों को हिजाब पहनकर परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति देने को लेकर गुरुवार को दो समूह भिड़ गए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि एक छात्रा की शिकायत पर कुछ छात्रों और एबीवीपी के 15 सदस्यों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने का मामला दर्ज किया गया है। दूसरा मामला एक छात्रा की शिकायत पर पहले मामले की शिकायतकर्ता और छह अन्य के खिलाफ दर्ज किया गया है। तीसरा मामला एक अन्य छात्र की शिकायत पर दर्ज किया गया है।

पुतिन यूक्रेनी राष्ट्रपति से मिलने को तैयार

मॉस्को/कीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध का आज 15वां दिन है। गुरुवार को तुर्की के एंटाल्या शहर में रूस और यूक्रेन के विदेश मंत्रियों की बातचीत नाकाम हो गई। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा- बातचीत में हम किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सके। सीजफायर पर तो बातचीत भी नहीं हुई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की चाहें तो हमारे प्रेसिडेंट व्लादिमिर पुतिन उनसे मीटिंग को तैयार हैं। आज नहीं तो कल, बातचीत तो करनी ही होगी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने कहा- मारियुपोल अस्पताल पर रूस ने हमला किया है। लोग, बच्चे मलबे में दबे हैं। अत्याचार! दुनिया कब तक आतंक को नजरअंदाज करती रहेगी? फौरन नो फ्लाय जोन घोषित किया जाए! हत्याएं बंद की जाएं! आपके पास ताकत है, लेकिन ऐसा लगता है कि हम इंसानियत खो रहे हैं।'

अमेरिका ने चेतावनी दी है कि रूस की सेना यूक्रेन पर केमिकल अटैक कर सकती है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जेन साकी ने कहा- अमेरिका की जैविक हथियार प्रयोगशालाओं और यूक्रेन में रासायनिक हथियारों के विकास के बारे में रूस के दावे बेतुके हैं। इन दावों के जरिए वो भविष्य में हमलों के लिए जमीन तैयार कर रहा है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन के राष्ट्रवादी लोग नागरिकों की निकासी में रुकावटें डाल रहे हैं। वहीं, यूक्रेन के विदेश मंत्री ने कहा है कि रूस ने देश के 4 लाख नागरिकों को बंधक बना लिया है। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ने कहा- अब तक रूस के 12 हजार सैनिक मारे गए हैं। उसके 317 टैंक, 49 एयरक्राफ्ट, 81 हेलिकॉप्टर, 60 फ्यूल टैंक और 7 ड्रोन तबाह किए जा चुके हैं।

यूक्रेन का कहना है कि रूसी आक्रमण के बाद से मारियुपोल में 1,170 नागरिक मारे गए हैं। इन्हें सामूहिक कब्रगाह में दफनाया जा रहा है। लगातर बमबारी के चलते अंतिम संस्कार भी मुश्किल हो गया है। इनकी मौत पर आंसू बहाने वाला भी कोई नहीं है। यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए सरकार की ओर से शुरू किए गए ऑपरेशन गंगा के तहत अंतिम फ्लाइट गुरुवार को भारत पहुंचेगी। इसमें यूक्रेन के सूमी शहर में फंसे 600 भारतीयों को वापस लाया जाएगा।

देश में स्वराज, शांति और विकास की जीत हुई है

भोपाल। विधानसभा चुनावों में भाजपा की बंपर जीत बताती है कि देश भर में लोग स्वराज चाहते हैं, शांति चाहते हैं, विकास चाहते हैं और वो हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में ही संभव है। यह बात आज गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कही। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रवाद की जीत का गौरवशाली दिन है। यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में देश में चहुंओर राष्ट्रवाद और विकास की पताका फहरा रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा विराट बहुमत की ओर बढ़ रही है। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार विकास और राष्ट्रवाद का परचम लहरा रही है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व. माधवराव सिंधिया की जयंती पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया की जयंती पर आज निवास कार्यालय स्थित सभाकक्ष में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनका स्मरण किया। जैतपुर जिला शहडोल से विधायक श्रीमती मनीषा सिंह तथा विजयपुर जिला श्योपुर से विधायक श्री सीताराम आदिवासी भी उपस्थित थे। स्व. श्रीमंत माधवराव सिंधिया का जन्म 10 मार्च 1945 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने सिंधिया स्कूल ग्वालियर तथा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में शिक्षा प्राप्त की। लोकसभा के सांसद रहने के साथ श्री सिंधिया वर्ष 1990-1993 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष भी रहे। तीस सितंबर 2001 को विमान दुर्घटना में श्री माधवराव सिंधिया का निधन हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व. श्री सिंधिया का स्मरण करते हुए ट्वीट किया कि - प्रदेश के नव-निर्माण में आपका अतुलनीय योगदान सर्वदा अविस्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री ने श्रीमती सावित्री बाई फुले की पुण्य-तिथि पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने महान समाज सुधारक श्रीमती सावित्री बाई फुले की पुण्य-तिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। विधायक श्रीमती मनीषा सिंह तथा श्री सीताराम आदिवासी ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। श्रीमती सावित्री बाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था। वे भारत के प्रथम बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थी। सावित्री बाई ने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जिया। उनका उद्देश्य विधवा विवाह कराना, छुआछूत मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना रहा। उन्होंने 3 जनवरी 1848 में पुणे में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की 9 छात्राओं के लिए बालिका विद्यालय की स्थापना की।

राज्यपाल ने प्लेसमेंट दिवस समारोह को किया संबोधित

टारगेट के साथ स्मार्ट और स्ट्रांग कार्य प्रणाली सफलता की गारंटी : पटेल

भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि टारगेट के साथ स्मार्ट और स्ट्रांग कार्य- प्रणाली सफलता की गारंटी है। संकल्प, समर्पण, सत्य-निष्ठा और सकारात्मकता के साथ कार्य करने पर कोई भी लक्ष्य असाध्य नहीं होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में संतोष उपलब्धियों में नहीं निरंतर प्रयासों में मिलता है। राज्यपाल श्री पटेल टेक्नोक्रेट्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्लेसमेंट दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा सबके विश्वास, सबके साथ और सबके प्रयासों से समावेशी विकास का कार्य किया जा रहा है। समावेशी विकास के लिए सबका सहयोग जरूरी है। उन्होंने बीज से वृक्ष बनने के दृष्टांत का उल्लेख करते हुए कहा

कि जिस तरह बीज को सही जगह पर रोपने और उसकी उचित देखभाल करने पर वह बड़ा वृक्ष बनकर पूरे क्षेत्र को अपने फलों से लाभान्वित करता है ठीक उसी तरह समाज भी सफल विद्यार्थियों से आचरण की अपेक्षा करता है। भविष्य में मिलने वाली सुख, सुविधाओं के साथ अपने माता-पिता के त्याग और तपस्या को कभी नहीं भूलें। ज्ञान और संस्कारों का आचरण में व्यवहार जरूरी है।

केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति से शिक्षा क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कैरियर में अच्छा प्लेसमेंट मिलना जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि राज्य सरकार ने स्टार्टअप और सूचना प्रौद्योगिकी के लिए नया ईको सिस्टम बनाया है। व्यापार और व्यवसाय के लिए अपार संभावनाएँ और सुविधाएँ उपलब्ध है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भवन और अन्य सुविधाओं के लिए सरकार द्वारा 40 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। महिला उद्यमियों के लिए 50 प्रतिशत का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसी नई तकनीकों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के प्रयास किए जाएँ। प्लेसमेंट प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि जो विद्यार्थी चयनित नहीं हो सके हैं, वे कौशल उन्नयन के प्रयासों पर ध्यान दें। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित विद्यार्थियों और उनके पालकों को सम्मानित भी किया गया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने आज टेक्नोक्रेट्स समूह के प्लेसमेंट दिवस में प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित विद्यार्थियों और उनके पालकों को सम्मानित किया।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल उन्नयन के साथ खुलेगी स्व-रोजगार की राह : श्रीमती सिंधिया

बजट में 1538 करोड़ रूपये का प्रावधान

भोपाल

तकनकी शिक्षा, कौशल विकास मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत बजट प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल उन्नयन के साथ स्व-रोजगार की राह प्रशस्त करने में मददगार साबित होगा। श्रीमती सिंधिया ने कहा कि तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के बजट में 12 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। इस वर्ष 1538 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान स्वागत योग्य है। इस वर्ष व्यवसायिक प्रशिक्षण का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार के लिए बजट में 453 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। एडीबी परियेजना के लिए 263 करोड़ रूपये का प्रावधान है। मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि प्रदेश में कई क्षेत्रों और विधाओं में कुशल जन-शक्ति को तैयार करने के उद्देश्य से भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का ग्लोबल स्किल्स पार्क तैयार किया जा रहा है। साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में कौशल विकास एवं रोजगार के उद्देश्य से प्रदेश के ऐसे 46 विकासखण्ड जहाँ वर्तमान में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाएँ स्थापित नहीं है, वहाँ आईटीआई संस्थाएँ चरणबद्ध तरीके से स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि उच्च ग्रेडिंग प्राप्त समस्त शासकीय आईटीआई संस्थाओं में राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश अग्रणी राज्यों में है।

प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सदस्यों ने भी किया पौध-रोपण

मुख्यमंत्री ने लगाया करंज और टिकोमा का पौधा

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के श्री विश्वनाथ शर्मा, श्री अभिलाष तिवारी तथा सुश्री डाली भागुरिया के साथ करंज और टिकोमा का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के क्रम में प्रतिदिन पौध-रोपण कर रहे हैं। फाउंडेशन द्वारा देश में शिक्षा एवं कौशल उन्नयन कार्यक्रम संचालन के साथ ही पर्यावरण और स्वच्छता के लिए भी सतत रूप से विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। भोपाल में पथ विक्रेताओं को स्वच्छता, फायनेंस, डिजिटल मार्केटिंग एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में

आवश्यक दस्तावेजों आदि के महत्व के साथ सहयोग और व्यवसाय में उन्नयन हेतु प्रशिक्षण कार्यशालाएँ की जा रही हैं। फाउंडेशन द्वारा वर्तमान में मध्यप्रदेश में 12 केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है, जिसमें प्रतिवर्ष 30 हजार से अधिक युवक-युवतियों को प्रशिक्षण उपरांत रोजगार सहायता प्रदान की जाती है। वर्तमान में इन केन्द्रों में हेल्थ केयर, इलेक्ट्रिकल, ऑटोमोबाईल कोर्स चलाए जा रहे हैं। उद्यमिता विकास कार्यक्रम विगत तीन वर्षों से संचालित किया जा रहा है। करंज आयुर्वेदिक चिकित्सा में महत्वपूर्ण माना गया है। करंज का उपयोग धार्मिक कार्यों में भी किया जाता है। टिकोमा को चमकीले पीले ट्रम्पेट के आकार के फूलों के लिए जाना जाता है।

सरोजिनी नायडू महाविद्यालय में सुश्री ऊषा ठाकुर की उपस्थिति में सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

भोपाल

महाविद्यालय में उपरोक्त कार्यक्रम में भारत रत्न, स्वर कोकिला सुश्री लता मंगेशकर द्वारा गाए विभिन्न लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति महाविद्यालय की छात्राओं एवं पूर्व छात्राओं द्वार दी गई। जैसे - अल्ला तेरो नाम, वन्दे मातर्म, तुम मुझें यू भूला ना पाओंगे, नैनो में बदरा छाए, ऐ री पवन, रैना बीती जाए आदि पंडित बिरजू महाराज द्वारा निर्देशित नृत्यों की प्रस्तुति छात्राओं द्वारा की गई। उक्त कार्यक्रम संगीत विभाग एवं नोगा (पूर्व छात्रा संगठन) के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त कार्यक्रम में 03 दिव्यांग छात्राओं द्वारा भी सहभागिता की गई । मंत्री महोदया द्वारा कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा गया - हमारी

भारतीय संस्कृति हमेशा से कला साहित्य और संगीत से पहचानी जाती है। आदि काल से यह एक अप्रियम संगम रहा है जो पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है। हमारे देश के महान कलाकारों ने इसे सजीव कर रखा है उन्हीं में से स्वर सम्रागी सुश्री लता मंगेशकर जी एवं नृत्य सम्राट पंडित बिरजू महाराज जी ऐसे ही दो महान हस्तियां जिन्होंने अपने अपने क्षेत्र में समूचे विश्व में भारत का नाम रोशन किया। बीसवीं सदी की महान कलाकार जिनके कंठ में मां सरस्वती विराजित थी, जिन्होंने संस्कृति की धरोहर को विश्व के पटल पर स्थापित किया और एक अलग पहचान बनाई इसी तरह पद्म विभूषण से सम्मानित पंडित बिरजू महाराज जी जब नृत्य करते थे तो साक्षात भोलेनाथ की छवि का एहसास होता था। प्राचार्य डॉ. प्रतिभा सिंह ने छात्राओं को आशीर्वचन दिया एवं कहा की इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन भारत की महान विभूतियों को श्रद्धाजंलि स्वरूप है और छात्राओं को भारतीय संस्कृति से परिचय कराना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीना श्रीवास्तव एवं पूर्व छात्रा भगवती सक्सेना ने किया आभार डॉ. सुधा दीक्षित ने दिया कार्यक्रम में बडी संख्या में छात्राये, डॉ. कीति जैन, अध्यक्ष नोगा समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

चार राज्यों में भाजपा की ऐतिहासिक जित पर पोडी बचरा मंडल भाजपा ने मनाया जश्न

संतोष जायसवाल

कोरिया। पोडी बचरा खड़गवां-बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पोडी बचरा मंडल के कार्यकर्ताओं ने उत्तरप्रदेश, मणिपुर,गोवा उत्तराखंड में भाजपा को पूर्ण बहुमत हासिल होने की खुशी में पोडी के हृदय स्थल अटल चौक में आतिशबाजी करते हुए मिठाई बांटकर जश्नन मनाया चार राज्यों में बीजेपी की जीत से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने डीजे की धुन पर खूब थिरके वहीं पूर्व केबिनेट मंत्री भइया लाल राजवाड़े ने कार्यकर्ताओं को दूरभाष पर बधाई व शुभकामनाएं दी जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने दूरभाष से कार्यकताओं को संबोधित किया और शुभकामनाएं दी इस अवसर पर मंडल राजेंद्र चक्रधारी, मंडल उपाध्यक्ष संतोष जायसवाल, युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश यादव, महामंत्री गणेश यादव, उपाध्यक्ष सुनील शर्मा, जिला कार्य समिति सदस्य युवा मोर्चा जगनारायण सांहू,रमेश मुंडा,रामनीधि, सविता नंदन, शुभम जायसवाल, लालसिंह, कपिल देव,राजदेव बघेल, जिला सहकारिता संयोजक अवध बिहारी जायसवाल पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अशोक जायसवाल, पूर्व मंडल महामंत्री श्याय नारायण जायसवाल, किसान मोर्चा महामंत्री प्यारे सांहू मंडल महामंत्री महेंद्र साहू, नरेंद्र सिरदार, भोजराज सिरदार, महिला मोर्चा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे.

बाजे-गाजे में थिरके कार्यकर्ता, आतिशबाजी कर एक-दूसरे का किया मुंह मीठा

चार राज्यों में भाजपा की जीत पर भाजपा ने मनाया जश्न

गरियाबंद। देश के पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे मतगणना के बाद सामने आ गए हैं, जिसमें चार राज्यों में भाजपा की शानदार जीत हुई है। यूपी सहित चार राज्यों में भाजपा की जीत की खुशी गरियाबंद जिला में भी देखने को मिला। गरियाबंद भाजपा के कार्यकर्ताओं ने तिरंगा चौक में जीत का जश्न मनाया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी कर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते हुए बधाईयां दी। वहीं कार्यकर्ता बाजे-गाजे में भी झूमते नजर आए। इस जीत पर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों में चार राज्य में भारतीय जनता पार्टी की जीत हुई है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चार राज्यों में भाजपा की जीत हुई है, यूपी की जनता ने मोदी सरकार की रीति-नीति को स्वीकार किया है। यूपी में एक बार फिर योगी सरकार बनने जा रही है। इसके लिए गरियाबंद भाजपा के कार्यकर्ताओं ने यूपी सहित देश की जनता का आभार जताया है। आगे कहा कि चार राज्यों के चुनाव परिणाम ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अब देश की जनता ने कांग्रेस को पूरी तरीके से नकार दिया है, चारों राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ होना इस बात की

पुष्टि करता है कि अब देश की जनता विकास की राजनीति पसंद करती है। एक परिवार की जुमलाबाज पार्टी उन्हें मंजूर नही। इस अवसर पर जिला भाजपा महामंत्री अनिल चंद्राकर, अनूप भोसले, घनश्याम सिन्हा, जिला मंत्री मिलेश्वरी साहू, आसिफ मेमन, युगल समदरिया, परस देवांगन, आशीष शर्मा, बिंदु सिन्हा, वंश गोपाल सिन्हा, विष्णु नेताम, धनंजय नेताम, पारस ठाकुर, शेषनारायण गजभिये, राधेश्याम सोनवानी, सागर मयानी, ताकेश्वरी साहू, सीमा जांगड़े, मधु देवांगन, दीपक तिवारी, भीम साहू, प्रीति गनवीर, जमुना गजभिये, चंदन रामटेके, विशाल साहू, विनोद नेताम, आनदं ठाकुर, राज डे, अविनाश दीवान, राधेलाल पटेल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजुद थे।

आप कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

रायपुर। आम आदमी पार्टी की पंजाब में जीत का जश्न रायपुर में भी मनाया गया। रायपुर के जय स्तंभ चौक पर जुटे आप कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर जीत की खुशियां बांटी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस जीत को ऐतिहासिक बताया। इधर पंजाब में सरकार जाने और चार राज्यों में अपेक्षित नतीजे नहीं आने से कांग्रेस खेमे में निराशा है। कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, हम हार से हताश नहीं हैं। कांग्रेस संगठनात्मक रूप से अपने आप को मजबूत करेगी। आप पंजाब के नतीजों को लेकर पहले से निश्चिंत थी। पार्टी ने रायपुर जिला प्रशासन से जयस्तंभ चौक के पास पांडाल लगाकर जश्न की अनुमति भी ले ली थी। सुबह पंजाब में मतगणना के शुरुआती रुझान आने के साथ ही आम आदमी पार्टी के उत्साहित कार्यकर्ता वहां जुटने लगे। दोपहर बाद तक जीत निश्चित दिखते ही वहां मिठाइयां बंटनी शुरू हो गई। उत्साहित कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और जीत की खुशिया बांटी। आप के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने कहा, पंजाब की जनता ने विकास को चुना है। वहां की जनता ने आप पर भरोसा किया है। पार्टी उसपर खरा उतरकर दिखाएगी। अब पूरा देश धर्म-जाति की राजनीति को पहचान गया है। अब दो राज्यों में पार्टी की सरकार होने से यह राष्ट्रीय हो गई है। इस जनादेश से छत्तीसगढ़ के मतदाताओं का भी आप पर भरोसा बढ़ेगा। पंजाब की 117 सीटों के लिए हुए चुनाव में आप 91 सीट पर आगे है। सत्ताधारी कांग्रेस 19 सीटों पर सिमट रही है। वहीं भाजपा गठबंधन को केवल दो सीटों पर बढ़त मिलती दिख रही है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री की मासिक रेडियो वार्ता लोकवाणी की 27वीं कड़ी 13 को

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मासिक रेडियो वार्ता लोकवाणी की 27 वीं कड़ी का प्रसारण 13 मार्च 2022 को होगा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल लोकवाणी में इस बार 'छत्तीसगढ़ सरकार-नारी शक्ति के सरोकार' विषय पर प्रदेशवासियों से बातचीत करेंगे। लोकवाणी का प्रसारण छत्तीसगढ़ स्थित आकाशवाणी के सभी केंद्रों, एफएम रेडियो और क्षेत्रीय समाचार चैनलों से सुबह 10.30 से 11 बजे तक किया जाएगा।

लोकतंत्र का पक्ष और साहित्य' विषय पर समारोह 12 व 13 को

रायपुर। साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद्, छत्तीसगढ़ पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से इस शनिवार और रविवार फ्रलोकतंत्र का पक्ष और साहित्यफ्र विषय पर दो दिन का पाठ और विमर्श प्रसंग आयोजित कर रही है। रायपुर के रजबंधा मैदान स्थित मायाराम सुरजन स्मृति लोकायन के हाल में आयोजित इस समारोह में 12 मार्च को शाम 5.30 बजे कहानी पाठ होगा। वहीं 13 मार्च को सुबह 11 बजे फ्रसाहित्य, असहमति और लोकतंत्र का भविष्यफ्र विषय पर एक चर्चा सत्र और शाम को 5.30 पर कविता पाठ आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में श्री राजेश जोशी, श्री विजय गुप्त, श्री अपूर्वानंद, श्री नथमल शर्मा, श्री लोकबाबू, श्री सियाराम शर्मा, श्री आलोक वर्मा, सुश्री वंदना राग जैसे कई वरिष्ठ साहित्यकार हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री राजकमल नायक के निर्देशन में श्री श्रीकांत वर्मा की कविताओं का रंग पाठ भी प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाले युवा साहित्यकारों में श्री हरिओम राजौरिया, श्री कैलाश बनवासी, श्री मनोज कुलकर्णी, सुश्री वंदना राग, श्री बसंत त्रिपाठी, श्री निधीश त्यागी, श्री रजत कृष्ण, सुश्री श्रद्धा थवाईत, सुश्री पूनम वासम के नाम शामिल हैं। भोपाल के प्रसिद्ध कवि श्री राजेश जोशी एक लंबे समय बाद रायपुर में कविता पाठ करने आ रहे हैं, इसे लेकर साहित्यकारों में विशेष उत्साह है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना : राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षकों का दौरा

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निरीक्षण के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षकों का दल छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहा है। छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार गुणवत्ता समीक्षकों का दल मार्च 2022 में छः जिलों में प्रधानमंत्री सड़कों की गुणवत्ता की जांच करेंगे। उन्होंने बताया कि नारायणपुर एवं बीजापुर के लिए श्री कादिर मोहम्मद अफजल, सुकमा एवं बस्तर के लिए श्री उपेन्द्र नाथ प्रधान तथा जांजगीर जांपा एवं बलौदा बाजार के लिए श्री ब्रजेश प्रसाद राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक होंगे।

सभी स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य की होगी जांच

रायपुर। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने सभी स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस दौरान सभी दिव्यांग बच्चों को निरूशक्तता प्रमाण पत्र जारी करना सुनिश्चित करने कहा है। उन्होंने सभी जिलों के कलेक्टर और जिला पंचायतों के मुख्य अधिकारी को परिपत्र जारी कर स्कूली शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से अगले दो महीनों में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव श्री जैन ने कलेक्टरों और जिला पंचायतों के सीईओ को जारी परिपत्र में कहा है कि कोरोना महामारी के पूर्व सभी स्कूली बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और इलाज स्कूल शिक्षा विभाग तथा लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के समन्वय से किया जाता था। समग्र शिक्षा अभियान के तहत समावेशी शिक्षा मद में सभी श्रेणी के दिव्यांग बालकों का चिन्हांकन तथा आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण एवं उपचार के लिए व्यवस्था है। स्वास्थ्य विभाग के चिरायु कार्यक्रम के तहत बच्चों के चिन्हांकन के बाद उपचार की व्यवस्था है।

हर्बल रंग से सराबोर होगी होली

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन की प्रयास से बिहान से जुड़ कर महिलाओं को रोजगार का अवसर दिया गया है। ऐसे ही चितालंका के सीता स्व सहायता समूह की महिलाएं पार्वती महिला ग्राम संगठन हर्बल गुलाल उत्पादन का उत्पादन कर रही हैं यह गुलाल पूर्ण रूप से प्राकृतिक चीजों जैसे फूलों, पत्तियों से बनाया गया है। जिसमे हरे रंग के लिए पालक, धनिया पाउडर, मेहंदी, गुलाबी रंग के लिए चुकंदर, गुलाब की पंखुड़ी, लाल रंग के लिए अनार का छिलका, गाजर, टमाटर, पीले रंग के लिए हल्दी, बेसन, नारंगी रंग के लिए पलाश के फूल, बैंगनी रंग के लिए जामुन व चुकंदर आदि के साथ चावल आटे व अरारोट आटे का उपयोग कर उत्पाद निर्मित किया गया है। यह हर्बल गुलाल त्वचा के लिए इको फ्रेंडली होता है इन प्राकृतिक रंगों के उपयोग से हम इंफेक्शन जैसे रोगों से बच सकते हैं। रंग आसानी से निकल जाता है। पर्यावरण के अनुकूल है। स्व सहायता समूह की महिलाओं ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ कर लोगों की सेहत को ध्यान रखते हुए हर्बल गुलाल का निर्माण किया है आगामी होली पर ग्रामीण महिलाएं इन्हीं हर्बल रंग से होली खेलने के लिए सभी को जागरूक कर रही है।

पेंशन निराकरण एवं दिव्यांगजनों के प्रमाणीकरण हेतु आमाबेड़ा में आयोजित की गई ब्लॉक स्तरीय शिविर

उत्तर बस्तर कांकेर। कलेक्टर श्री चन्दन कुमार के निर्देशानुसार सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत अंतागढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत आमाबेड़ा में आज पेंशन निराकरण एवं दिव्यांगजनों का शत प्रतिशत प्रमाणीकरण एवं यूडीआईडी कार्ड बनाने के लिए ब्लॉक स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में 109 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया, जिसमें 79 हितग्राहियों का मेडिकल प्रमाण पत्र एवं 30 हितग्राहियों से सामाजिक सुरक्षा पेंशन हेतु आवेदन प्राप्त हुए, इनमें से 52 दिव्यांगजनों को मौके पर ही मेडिकल प्रमाण पत्र जारी किये गये तथा दिव्यांग हितग्राहियों में से 2 हितग्राही को सीपी चेयर एवं 2 हितग्राही को व्हीलचेयर और 2 हितग्राही को छड़ी तथा एक हितग्राही को बैसाखी प्रदान किया गया । इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती श्यामा पोटाई , ग्राम पंचायत अमाबेड़ा के सरपंच श्री लोकेश

कुमार बघेल, समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक श्रीमती सिनीवाली गोयल, जनपद पंचायत अंतागढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पी. आर. साहू तथा समाज कल्याण विभाग एवं जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे

अर्जुण्डा में महिला प्रशिक्षणार्थियों को कॉस्ट्यूम ज्वेलरी उद्यमी के लिए दिया गया प्रशिक्षण

महासमुंद। बड़ौदा आरसेटी महासमुन्द के द्वारा सरायपाली विकासखण्ड के ग्राम अर्जुण्डा में 25 फरवरी से 9 मार्च तक 13 दिनों तक महिला प्रशिक्षणार्थियों को कॉस्ट्यूम ज्वेलरी उद्यमी के लिए प्रशिक्षित किया गया। बड़ौदा आरसेटी के निदेशक ने बताया कि इसका समापन 9 मार्च को किया गया तथा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में महिलाओं को सम्मानित किया गया एवं दिव्यांग प्रशिक्षणार्थी कु. सुनिता जगदल्ला को प्रमाण पत्र एवं पुरूस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर डी.डी.एम. नाबार्ड श्री प्रिर्यव्रत साहू, बड़ौदा आरसेटी महासमुन्द के निदेशक श्री संजीव प्रकाश, बड़ौदा आरसेटी के संकाय सहायक श्री कमलेश पटेल एवं कॉस्ट्यूम ज्वेलरी उद्यमी श्री अश्वनी सोनी असेसेर एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

91.81 लाख मीटरिक टन धान का हुआ उठाव

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार कस्टम मिलिंग के लिए धान का तेजी से उठाव जारी है। राज्य में 9 मार्च तक 91.81 लाख मीटरिक टन धान का उठाव हो चुका है।

छत्तीसगढ़ द्वारा केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में भी तेजी से काम किया जा रहा है। अब तक केन्द्रीय पूल में 27.71 लाख मीटरिक टन चावल जमा कराया जा चुका है। इनमें भारतीय खाद्य निगम में 15.12 लाख मीटरिक टन और नागरिक आपूर्ति निगम में 12.59 लाख मीटरिक टन चावल शामिल है। खाद्य सचिव श्री टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री की पहल पर इस वर्ष धान खरीदी के साथ ही कस्टम मिलिंग के लिए धान का तेजी से उठाव किया जा रहा है। अब तक डीओ और टीओ के माध्यम से 91.81 लाख मीटरिक टन धान का रिकार्ड उठाव हो चुका है।

श्री वर्मा ने बताया कि 71 लाख 71 हजार मीटरिक टन धान का डीओ जारी कर दिया गया है। उपार्जन केन्द्रों से मिलर्स द्वारा 69 लाख 24 हजार मीटरिक धान का उठाव कर लिया गया है। इसी प्रकार 23 लाख 37 हजार मीटरिक टन धान के परिवहन के लिए टी.ओ. जारी किया गया है। जिसके विरूद्ध समितियों से 22 लाख 57 हजार मीटरिक टन धान का उठाव हो चुका है। धान खरीदी केन्द्रों से धान का उठाव और कस्टम मिलिंग भी युद्ध स्तर पर जारी है।

कृषि के साथ बकरी और मुर्गीपालन की गतिविधि बदली सुदृढ़ आमदनी के व्यवसाय में

नए आर्थिक लाभ से आशान्वित है जयकुमारी का भविष्य

कोरिया । सामान्य सा आदिवासी कृषक परिवार अब परिवार की महिला के सूझबूझ और मेहनत से बकरी पालन के नए व्यवसाय में महात्मा गांधी नरेगा की मदद से आगे बेहतर भविष्य की राह में आगे बढ़ रहा है। एक आदिवासी परिवार की महिला सदस्य के लिए यह एक स्वरोजगार की तरह स्थापित हो रहा है। परिवार की महिला सदस्य श्रीमती जयकुमारी ने बीते छह माह में ही बकरियों को बेचकर 60 हजार रूपए का आर्थिक लाभ प्राप्त कर लिया है। कोरिया जिले के सोनहत वनांचल के ग्राम कुशहा में रहने वाले सोनवंशी परिवार के लिए कृषि आजीविका का मुख्य साधन रहा है और खेती बाड़ी के अलावा परंपरागत रूप से बकरी पालन का काम परिवार करता रहा है। आज से एक साल पहले तक इस परिवार के लिए बकरी पालन सामान्य कार्य ही था पर अब यह जयकुमारी और उनके परिवार के लिए सुदृढ़ आमदनी के व्यवसाय में बदल रहा है। मुस्कुराते हुए श्रीमती जयकुमारी कहती हैं कि अब रोजगार की कोई चिंता नहीं है इसी काम को और आगे बढ़ाना है।

यह पूरी कहानी एक आदिवासी किसान परिवार की है जिसके पास संसाधन ना होने से वह चाहकर भी अपने लिए कुछ ज्यादा बेहतर नहीं कर पा रहे थे। ग्राम नवगई से आई हुई श्रीमती जयकुमारी ने बारहवीं तक की शिक्षा प्राप्त की है। विवाह के बाद वर्ष 2017 में इन्होने गांव में बिहान टीम के प्रेरणा से समूह के सदस्य के रूप में अपना काम प्रारंभ किया। इसके साथ ही मनरेगा के एक पढ़े लिखे अकुशल श्रमिक होने के कारण उन्हे ग्राम पंचायत ने मनरेगा के लिए मेट का दायित्व भी दिया। महामाया स्व सहायता समूह की लेखापाल बन चुकी श्रीमती जयकुमारी कहती हैं कि अपना काम करना चाहती थी इसलिए घर में ही परंपरागत खेती के साथ बकरी और मुर्गीपालन को प्रारंभ किया। पहले जगह ना होने

के कारण उन्हे बड़ी संख्या में बकरी रखने में दिक्कत होती थी।

इसलिए महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत बकरीपालन आश्रय स्थल बनाने के लिए ग्राम पंचायत में एक आवेदन दिया। श्रीमती जयकुमारी बतलाती हैं कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान में जुडकर महामाया समूह में काम करते हुए दो साल पहले गांव के साप्ताहिक बाजार का ठेका प्राप्त हो गया था। इससे भी इनको अच्छी आय प्राप्त हुई। जिसे इन्होने बचाकर रखा था। इसके बाद जब वर्ष 2020-21 में इनके लिए बकरीपालन आश्रय स्थल प्राप्त हुआ तो इन्होने अपने बचत की राषि लगभग 35 हजार रूपए और लगाकर इस शेड को बड़े आकार का बनवा लिया। जनवरी में प्रारंभ हुआ यह कार्य अप्रैल माह में पूरा हो गया। इसमें काम करने से इस परिवार को लगभग दस हजार रूपए की मजदूरी की राशि भी प्राप्त हुई। श्रीमती जयकुमारी ने बताया कि इनके पास आश्रय स्थल बनने के पहले बीते साल तक चार-पांच बकरे बकरियां थे इसके बाद पक्का आश्रय स्थल होने से व्यवस्थित बकरी पालन के व्यवसाय से ही अब तक कुल 12 बकरियां बेचकर 60 हजार रूपए से ज्यादा का आर्थिक लाभ हो चुका है। इसके अलावा इन्होने लगभग 100 से ज्यादा देषी मुर्गियां भी पाल रखी हैं। जिसे यह घरेलू आवष्यकताओं के अनुसार दो-चार की संख्या में बेचती रहती हैं। इससे इनके परिवार को प्रतिमाह सात से आठ हजार रूपए की अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। श्रीमती जयकुमारी ने बताया कि गांव के गौठान में भी यह समूह के माध्यम से अपने साथियों के साथ मिलकर बड़ी संख्या में मुर्गीपालन का काम भी प्रारंभ कर चुकी हैं।

संपादकीय

जवानों की मनःस्थिति

अमृतसर में बीएसएफ हेडक्वॉर्टर में हुई फायरिंग में पुलिस ने मामला दर्ज किया है और कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के भी आदेश दे दिए हैं। लेकिन बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने दो बातें अभी से साफ कर दी हैं। शुरुआत में कहा जा रहा था कि जवान छुट्टियां न मिलने से नाराज था।

अमृतसर के खासा स्थित बीएसएफ हेडक्वॉर्टर में रविवार को जिस तरह से एक जवान ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर अपने चार सहकर्मियों की हत्या की और खुद भी मारा गया, वह चिंतित करने वाला वाकया है। घटना का जो ब्योरा दिया गया है, उसके मुताबिक जवान सीटी सत्तेपा ने पहले ऑफिस पहुंचकर एक क्लर्क को गोली मारी। फिर बैरक जाकर अंधाधुंध फायरिंग करने लगा। उसने ऑफिशियेटिंग कमांडेंट के वाहन पर भी गोली चलाई, लेकिन वह बच गए। यह सच है कि अभी आरंभिक सूचनाएं ही सामने आई हैं, जिनके आधार पर कोई ठोस नतीजा नहीं निकाला जा सकता। पुलिस ने तो मामला दर्ज किया ही है, कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के भी आदेश दे दिए गए हैं। लेकिन बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने दो बातें अभी से साफ कर दी हैं। एक, यह छुट्टियां न मिलने जैसी स्थिति से नाराजगी का मामला नहीं है। दो, इसमें पुरानी रंजिश का भी कोई एंगल नहीं है। अगर बिना किसी जांच-पड़ताल के, आरंभिक चरण में ही इतने साक्ष्य उपलब्ध हैं जिनके आधार पर ये दो संभावनाएं पूरी तरह नकारी जा सकती हैं तो स्वाभाविक ही जांच का दायरा सीमित हो जाता है। बेहतर होता बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी अपने इस निष्कर्ष को सार्वजनिक करने के बजाय जांच प्रक्रिया को उसकी तार्किक परिणति तक पहुंचने देते और फिर उससे निकले निष्कर्षों पर विचार करते। यह खास तौर पर इसलिए भी जरूरी था क्योंकि अपना पक्ष रखने के लिए वह जवान भी अब जीवित नहीं है। ध्यान रहे, यह अपनी तरह का कोई पहला मामला नहीं है। पिछले साल ही सितंबर की 23 तारीख को दक्षिण त्रिपुरा के गोमती जिले में हुई आपसी तकरार में दो बीएसएफ कर्मी मारे गए थे और एक घायल हो गया था। उससे पहले 2019 में एक बीएसएफ कर्मी ने दो साथियों को घायल करने के बाद अपनी जान ले ली थी। मई 2018 में भी एक बीएसएफ जवान ने तीन साथियों की हत्या कर खुद को शूट कर लिया था। उस घटना के बाद बीएसएफ ने अपने सुरक्षाकर्मियों के लिए सालाना मानसिक स्वास्थ्य जांच अनिवार्य कर दिया था। लेकिन यह सिर्फ जवानों के मानसिक स्वास्थ्य का मसला नहीं है। उनकी वर्किंग कंडिशंस, उनके ड्यूटी आवर्स और उनके साथ होने वाले व्यवहार के सवाल भी इससे जुड़े हैं। इस बारे में कई स्टडी रिपोर्ट्स भी उपलब्ध हैं। जरूरत यह है कि इन्हें समग्रता में देखा जाए और उनमें जो सुझाव दिए गए हैं, उन्हें मिलाकर एक दिशानिर्देश तैयार किया जाए। उसके बाद इन्हें व्यापक स्तर पर लागू करने की पहल की जानी चाहिए। उम्मीद है कि इससे खासा जैसे मामलों से भविष्य में बचने में मदद मिलेगी। साथ ही, इससे बीएसएफ जैसे संगठनों में नौकरी के लिए युवाओं का भी आकर्षण बढ़ेगा।

उन्हें थोड़ी नहीं, पूरी जगह चाहिए

यह भी कम रोचक नहीं था कि बहुत-सी महिला पुलिसकर्मी अपने नवजात शिशु को लेकर ड्यूटी पर आती थीं। स्वाभाविक ही इससे कार्यक्षेत्र में कई समस्याएं पैदा होती थीं और आम तौर से यह बात उनके खिलाफ ही जाती। बच्चे संभालती और ड्यूटी करती किसी महिला पुलिसकर्मी की तस्वीर आज भले ही सोशल मीडिया पर सहानुभूति और प्रशंसा बटोरती हो, उन दिनों तो उसके खाते में सिर्फ व्यंग्य और क्षोभ ही आते थे। आज जब उनको खाकी कपड़ों में देखने के हम आदी हो गए हैं और परिवारों में भी उन्हें बेहतर समर्थन हासिल है, तब उन दिनों की दिक्कतों की कल्पना करना हमारे लिए थोड़ा मुश्किल है। यह कम उत्साहजनक नहीं है कि इतने मुश्किल वक्त में भी खाकी में औरतों ने खुद को साबित किया। पुलिस में महिलाओं की भागीदारी की यह यात्रा दूसरे किसी भी संगठन की तरह संघर्षपूर्ण तो थी ही, इसमें कुछ अतिरिक्त समस्याएं भी जुड़ी हुई थीं।

(विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी)

हर साल हम बहुत से कार्यक्रम फर्ज अदायगी के लिए आयोजित करते हैं और उन्हीं में से एक 8 मार्च को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। हर साल कुछ घोषणाएं होती हैं, कुछ कार्यक्रम तय किए जाते हैं और कुछ योजनाएं बनती हैं। इस बार भी इनसे बहुत कुछ मिलता-जुलता होगा, लेकिन पिछले वर्षों में ऐसा भी कुछ घटने लगा है, जो औपचारिक रूप से कर्मकांड की तरह कार्यक्रम मनाने वालों के लिए बेचैनी पैदा करने वाला है। मुझे ऐसा ही एक मौका याद आ रहा है, जब महिला दिवस के एक कार्यक्रम में मैंने इस बेचैनी को महसूस किया था। कुछ साल पहले एक विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन विभाग में मुझे मुख्य कार्यक्रम में भाग लेने का मौका मिला था, जो मेरी आशंका के अनुरूप ही निहायत उबाऊ और थका देने वाला था। एक के बाद एक प्राध्यापक वक्ता सामने बैठी छात्राओं को याद दिला रहे थे कि हमारे देश में तो महिलाओं को देवी माना जाता है और विश्वास किया जाता है कि जहां नारी की पूजा की जाती है, वहां देवता बसते हैं। अचानक एक कोने में कुछ फुसफुसाहट हुई और कुछ लड़कियां खड़ी हो गईं। उनमें से एक ने तमतमाते हुए जो कहा, उसका मतलब था कि उसे देवी बनकर खुद को पुजवाने में कोई दिलचस्पी नहीं है, उसे तो बस एक व्यक्ति की तरह अपने बुनियादी मानवीय अधिकार चाहिए। स्वाभाविक ही था कि सभागार में बेचैन करने वाला सन्नाटा छा गया।

ऐसा ही कुछ अनुभव पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान में देखने को मिल रहा है। हर वर्ष औरतों के समूह अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हैं और अपने थीम व नारों से पितृ-सत्तात्मक समाज को अवाक् कर देते हैं। उनकी समझ में ही नहीं आता कि वे शब्दों से कैसे उनका मुकाबला करें? मसलन, पिछले वर्ष उनका थीम वाक्य था, 'मेरा जिस्म मेरा हक।' टेलीविजन चैनलों पर बैठे उनके मुखालिफों की विवशता देखते ही बनती थी। दांत पीसते हुए वे गाली-गलौज पर उतर आते थे। इसी तरह, तमाम धार्मिक संगठनों को इन्हें जवाब देने का एक ही तरीका नजर आया कि वे उनके जुलूस पर लाठी-डंडा लेकर चढ़ दौड़ें। इस बार भी कुछ ऐसा ही होने की आशंका है। एक पितृ-सत्तात्मक समाज में स्त्री के लिए थोड़ी सी जगह भी छोड़ने में पुरुष को कितनी परेशानी हो

सकती है, इसे मैं अपने अनुभव से समझ सकता हूं। आज जब सेना के तीनों अंगों में लड़ाकू भूमिका में भी महिलाओं को स्वीकृति मिल गई है, तब नई पीढ़ी को अंदाज लगाने में थोड़ी मुश्किल होगी कि पहली बार पुलिस में भर्ती होने वाली महिलाओं को किन अनुभवों से गुजरना पड़ता था। 1970 के मध्य में जब मैं अपनी नौकरी की शुरुआत कर रहा था, पहली बार उत्तर प्रदेश के पुलिस-थाने में महिला पुलिसकर्मी दिखने लगी थीं। उनकी उपस्थिति कौतूहल के साथ अविश्वास भी पैदा करती थी। हालांकि, आईपीएस में इक्का-दुक्का महिलाए आने लगी थीं, लेकिन कांस्टेबल या उप-निरीक्षक के पदों पर उन्हें तब सहज रूप से नहीं लिया जाता था। संपर्क में आने वाले आम जन को तो छोड़ें, उनके ज्यादातर सहकर्मी ही उनके सामर्थ्य या उपयोगिता को लेकर आश्वस्त नहीं थे। जिन समुदायों से वे आती थीं, वे भी पुलिस में महिलाओं के रोजगार को सम्मानजनक विकल्प के रूप में नहीं देखते थे। अध्यापन या नर्सिंग ही उनकी पहली पसंद थी।

यह भी कम रोचक नहीं था कि बहुत-सी महिला पुलिसकर्मी अपने नवजात शिशु को लेकर ड्यूटी पर आती थीं। स्वाभाविक ही इससे कार्यक्षेत्र में कई समस्याएं पैदा होती थीं और आम तौर से यह बात उनके खिलाफ ही जाती। बच्चे संभालती और ड्यूटी करती किसी महिला पुलिसकर्मी की तस्वीर आज भले ही सोशल मीडिया पर सहानुभूति और प्रशंसा बटोरती हो, उन दिनों तो उसके खाते में सिर्फ व्यंग्य और क्षोभ ही आते थे। आज जब उनको खाकी कपड़ों में देखने के हम आदी हो गए हैं और परिवारों में भी उन्हें बेहतर समर्थन हासिल है, तब उन दिनों की दिक्कतों की कल्पना करना हमारे लिए थोड़ा मुश्किल है। यह कम उत्साहजनक नहीं है कि इतने मुश्किल वक्त में भी खाकी में औरतों ने खुद को साबित किया।

पुलिस में महिलाओं की भागीदारी की यह यात्रा दूसरे किसी भी संगठन की तरह संघर्षपूर्ण तो थी ही, इसमें कुछ अतिरिक्त समस्याएं भी जुड़ी हुई थीं। पुलिस एक बल है और इसमें नेतृत्व की भूमिका में मौजूद व्यक्ति से खास तरह की अपेक्षाएं जुड़ी हुई हैं। एक कमांडर के आदेश पर बहुत से अधीनस्थ हरकत करते हैं। प्रारंभ में एक पुरुष प्रधान समाज में किसी महिला के आदेश पर खुद को संचालित करने की कल्पना ही पुरुष पुलिसकर्मियों को असहज-सा कर देती थी। महिला कमांडर भी अपनी भूमिका को लेकर बहुत आश्वस्त नहीं थीं, इसलिए कई बार बड़ी मनोरंजक स्थितियां पैदा हो जाती थीं। समाज में आम प्रचलित धारणा के अनुसार, एक सफल पुलिस अधिकारी को 'कड़क' होना चाहिए। कई बार महिला पुलिस अधिकारी को 'कड़क' होने के लिए अपनी देह-भाषा में कुछ ऐसे परिवर्तन करने पड़ते थे, जो अस्वाभाविक लगते थे। अब जब उसकी नेतृत्वकारी भूमिका काफी हद तक स्वीकार कर ली गई है, सामान्यत~ किसी महिला को ऐसे अनुभवों से नहीं गुजरना पड़ता है।

सारे दिमागी परिवर्तनों के बावजूद यह यात्रा आसान नहीं है। हर पड़ाव संघर्षों के बाद ही हासिल हुआ है। कई वर्षों की जद्दोजहद के बाद उच्चतम न्यायालय की मदद से औरतों ने सशस्त्र सेनाओं में स्थायी कमीशन व युद्धक भूमिका हासिल की है। हमें याद करना चाहिए कि आजादी के फौरन बाद संविधान सभा में हिंदू कोड बिल पूरी कोशिश के बाद भी डॉक्टर आंबेडकर और जवाहरलाल नेहरू पास नहीं करा सके थे। छह दशकों की लंबी लड़ाई के बाद अब इस कोड बिल का एक प्रस्ताव, जिसमें बेटी को पिता की संपत्ति में भाई के बराबर हक मिलना था, कानून की शक्ल ले सका। इस तरह के कई परिवर्तन हैं, जो देखने में तो छोटे लगते हैं, पर मूल्यों के स्तर पर बड़ा फर्क डाल सकते हैं, धीरे-धीरे ही सही, पर घट रहे हैं। सबसे मुश्किल पड़ाव है, औरत को उसके शरीर पर पूरा अधिकार देना और इस दिशा में भी प्रगति हो ही रही है। यह भी स्मरण रहे कि दक्षिण एशिया में आम तौर से परिवर्तन धीमी रफ्तार से घटते हैं और पाकिस्तानी समाज में मेरा जिस्म मेरा हक जैसी थीम पर कट्टरपंथियों की प्रतिक्रिया इसी प्रवृत्ति की द्योतक है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

समानता की बाधित राहें

(पूनम पांडे)

एक बार ऐसा हुआ था कि महिलाओं ने घरेलू काम की अनिवार्यता को लेकर जिद पकड़ ली और केवल एक चर्चा शुरू की जो महिलाओं को हर दिन दो समय रोटी बेलने को लेकर की गई थी। आंदोलनकारी स्त्रियों का कहना था कि एक औसत परिवार संभालने वाली महिला अपने गृहस्थ जीवन को निभाते हुए अनुमान लगा कर लगभग चार लाख रोटियां बेलती और सेंकती है। वास्तविक संख्या शायद इससे कहीं अधिक ही होगी। मगर थोड़ी-बहुत बातचीत के बाद यह बात आई-गई हो गई। किसी पंचायत या सरकार ने यह समझने की जरूरत नहीं समझी कि जीवन भर अपनी रोज की दिनचर्या में हाड़ तोड़ देने वाली मेहनत करने वाली महिलाएं बस रोटी को लेकर ऐसी बात क्यों कर रही हैं। समझदारी और संवेदनशीलता दिखाई गई होती तो संकेत समझा जा सकता था कि यह समाज के लिए सोचने की बात थी और महिलाओं को इस रूप में अपना असंतोष वयक्त करना था। दरअसल, विश्व समाज की यह एक विशेषता बन गई है कि परिवार और खानदान कला से जुड़ा रहेगा, पर उसके लिए यह विचार दरकिनार करने लायक लगेगा कि उसी घर में कोई महिला वंचना की शिकार तो नहीं हो रही। महिलाओं और उनके हक को लेकर कोई मुद्दा उठता भी है तो बार बार स्थगित हो जाता है। महिलाओं को भी लीक से हट कर चलना शायद अजीब लगता है।इसीलिए बहुत बार ऐसा होता है कि पुरुष समाज के तर्क बाकी चीजों को महत्त्वपूर्ण बता कर एक स्त्री मन को समझना नहीं चाहता। 'खुमारी और मायूसी' औरत के लिए महज एक शब्द है, जादुई अहसास दिल में कहीं सिकुड़े से ही रहते हैं। इनको अभिव्यक्त करने का मतलब चरित्र पर सवाल। आम भारतीय परिवारों मे आज भी स्त्री की परिभाषा वही है। सुंदर, व्यावहारिक, मीठी बोली, सहनशीलता, कार्य में गरिमा। चुनौतियां आएं तो हलचल नहीं। एक बेकार धारणा है कि औरत लोहे-सी मजबूत होती है। इसका मतलब अब यही लगता है कि स्त्री जितनी पीड़ित है, उससे ज्यादा पीड़ा सहने की क्षमता रखती है। सवाल है कि इस पीड़ा की सीमा कहां खत्म होती है? और यह वाक्य तो घिस-पिट चुका है कि स्त्री की सामंजस्य क्षमता औरों की तुलना में कहीं अधिक है। सोचती हूं कि अगर यह सच होता तो दुनिया भर में हर साल पच्चीस लाख से ज्यादा शादीशुदा महिलाओं के आत्मघात के मामले क्यों होते! पुरुष प्रधान समाज में स्त्री की संजीदगी से की गई शिरकत को रत्ती भर ही सम्मान मिल सका है। भोलापन, लापरवाही, नादानी और मूर्खता के लिए बेटे को लाड़ और एक औसत भारतीय बेटी को फटकार ही मिलती है। जबकि बेटी को भी तो यही एक नपा-तुला मनुष्य जन्म मिला है। पर किसी अनजान भय से महिला आज तक खुल कर नहीं खिल रही। एक महिला को पारिवारिक परिवेश में हमेशा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर सजीव प्रस्तुति देनी होती है। समाज ने अभी औसत महिला को इतना प्यार नहीं दिया कि वह सिर उठा कर संवाद स्थापित करे। आज भी राजधानी दिल्ली तक में युवतियों को सरेआम छींटाकशी, हिंसा, प्रताड़ना, छेड़छाड़ जैसी समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। एक सशक्त महिला के तौर पर हमारी कोई मजबूत नेता यह जरूर चाहती रही होंगी कि हर कोने से मजबूत महिलाएं नेतृत्व की क्षमता के साथ आगे आएं और बेहतरीन मुकाम हासिल करें। मगर कितनी अजीब बात है कि परंपरागत भारतीय समाज आज भी महिलाओं को लेकर रूढ़िवादी है। दरअसल, जो समस्या रही है, वह दहलीज से बाहर भागदौड़ की दुनिया, कामकाजी संसार में उसके साथ होने वाले व्यवहार की है। हमारे यहां स्त्री सशक्तिकरण के जितने आंदोलन चले, वे मानसिकता को बदलने और व्यवहार में आई जड़ता को तोड़ने के लिए ही रहे। लेकिन इस दिशा में हमारा समाज कितना आगे बढ़ सका, सभ्य और संवेदनशील हो सका?

शिवराज के 15 साल : सुशासन, स्थायित्व, संकल्प से बना दमदार नेतृत्व

(अतुल कोठारी)

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एक जीती-जागती मिसाल है कि यदि एक आम आदमी चाहे और दृढ़ निश्चय के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़े तो किस तरह सफल होता चला जाता है। मुख्यमंत्री शिवराज ने 13 साल की उम्र में एक कर्मठ कार्यकर्ता की तरह अपना राजनैतिक सफर तय किया और आज एक-एक सीढ़ी चढ़ते हुए खुद को बतौर सफल राजनीतिज्ञ और कुशल नेता के तौर पर साबित किया है। ये उनकी लोकप्रियता का ही प्रमाण है कि उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर सफलतापूर्वक 15 साल पूरे कर लिए हैं।

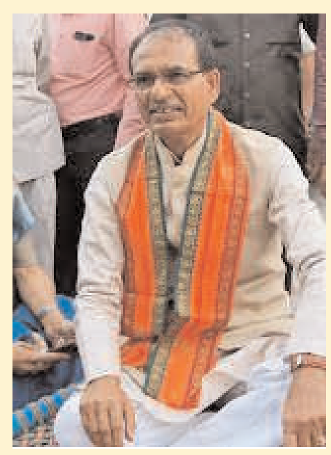

सुशासन का संकल्प: भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और कद्दावर नेता दिवंगत अटल बिहारी बाजपेयी ने बताया था कि कैसे विकास पथ पर आगे बढ़ने के लिए सुशासन एक आवश्यक उत्प्रेरक है। मुख्यमंत्री चौहान ने इस मंत्र को ना केवल ग्रहण किया बल्कि इसे अपनी कार्य-प्रणाली में कुछ इस तरह से उतारा कि आज मध्य प्रदेश की अलग ही छवि उभरकर सामने आई है। वे खुद अक्सर कहा करते हैं कि, सुशासन का मतलब है कि किसी को तकलीफ पहुंचाए बिना दूसरों का भला करना। रामराज्य सुशासन का ही बेहतरीन उदाहरण है। मध्य प्रदेश में भी बेटियों, किसानों, युवाओं, मेरे पिछड़े वर्ग के साथियों और बुज़ुर्ग माता-पिताओं को ध्यान में रखते हुए विकास की योजनाएं बन रही हैं। और उनकी फ्लैगशिप योजनाओं को देखते हुए ये बात सिद्ध होती है। चाहे वो लाड़ली लक्ष्मी योजना हो, जिसने समाज को लड़कियों के जन्म के बारे में सही तरह से सोचने पर मजबूर कर दिया या फिर मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना हो, जिसने गरीब पथ विक्रेताओं को कोविड महामारी के बाद दोबारा अपना व्यवसाय खड़ा करने में मदद की है।

संवेदनशीलता के साथ दृढ़ संकल्पः मध्य प्रदेश की जीवन रेखा मानी जाने वाली नर्मदा नदी की मृतप्राय अवस्था को देखकर दुखी हुए शिवराज ने संकल्प लिया कि वे नदियों की सुरक्षा करेंगे। इसी संकल्प के अधीन जन्म हुआ 'नमामि देवी नर्मदे सेवायात्रा' अभियान का। इस अभियान के कारण नर्मदा नदी न केवल फिर से कल-कल करती बह निकली बल्कि नर्मदा परियोजना लाकर उन्होंने लोगों के घरों तक नर्मदा के पानी को भी पहुंचा दिया। मध्य प्रदेश में आज कई हज़ार हेक्टेयर की खेती की प्यास माँ नर्मदा का पानी ही बुझाता है। प्रकृति को सहेजने के उनके दृढ़ संकल्प ने जन्म दिया 'एक पौधा रोज़' अभियान को। इसे उन्होंने स्वयं निभाते हुए खुद एक साल में 500 से ज़्यादा पौधे लगाए और दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गए। उन्होंने स्वच्छ भारत की सोच को गांव-गांव पहुंचाया। उन्हीं के दृढ़-निश्चय का नतीजा है कि इंदौर को वाटर प्लस सिटी घोषित किया गया है और वहां एशिया का सबसे बड़ा बायो सीएनजी प्लांट स्थापित हुआ। इस प्लांट का उद्घाटन खुद माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया और इसे गोबर-धन प्लांट का नाम दिया।

विकास पथ की ओर अग्रसर 'शिव' का मध्य प्रदेश

उनके दृढ़ संकल्प का ही नतीजा है कि केंद्र सरकार द्वारा केन-बेतवा जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दे दी गयी। इतना ही नहीं, अटल एक्सप्रेस-वे के बनने के बाद प्रदेश की छवि और उसके विकास में भी निरंतर प्रगति आएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के सफल क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश को अग्रणी बनाने में भी मुख्यमंत्री शिवराज का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने ये संकल्प भी लिया है कि प्रदेश में हर गरीब के पास पक्का घर होगा। स्वयं सहायता समूह को बढ़ावा देते हुए उन्होंने एक और संकल्प लिया की प्रदेश के गाँव-क़स्बे की हर महिला, प्रति माह कम से कम 10 हज़ार रुपये कमा सकेगी।

सुशासन स्थापित करने के लिए संवेदनशीलता के साथ लिए गए निर्णयों के निर्वहन के दृढ़ संकल्प का मेल ही शिवराज को एक विलक्षण जननायक बनाता है। उनके विज़न का ही कमाल है कि आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के रोडमैप पर तत्परता से कार्य हो रहा है, जिसमें सुशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, भौतिक अधोसंरचना आदि आयामों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस तरह मध्य प्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान दिलाने की उनकी तैयारी पूरी है। (लेखक शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के नैशनल सेक्रेटरी हैं) (ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं)

खाने की थाली पर रूस–यूक्रेन युद्ध की आंच

(दीपा सिन्हा)

पिछले एक साल में देखा गया है कि महंगाई पूरी दुनिया में बढ़ती जा रही है, खासकर खाद्य पदार्थों की। इसके कई कारण हैं। मुख्य तो यही कि महामारी के चलते दुनिया भर में होने वाली सप्लाई में रुकावट आई है। लॉकडाउन लगे हैं, आने-जाने पर रोक लगाई गई। इसके साथ-साथ ईंधन के दाम भी बढ़े हैं। भारत में भी तेल के दाम के साथ बाकी महंगाई बढ़ रही है। रूस और यूक्रेन में जो युद्ध चल रहा है, उसके चलते आने वाले दिनों में मुद्रास्फीति के और बढ़ने की आशंका है। रूस दुनिया में तेल सप्लाई करने वाला दूसरा बड़ा देश है। उसका जो तेल यूरोप की तरफ जाता है, वह यूक्रेन से गुजरता है। जब तक इन दोनों देशों के बीच झगड़ा चलेगा, हम देखेंगे कि तेल के दाम भी बढ़ेंगे। और तेल के दामों के साथ खाद्य पदार्थों का भी दाम बढ़ता है।

खाने पर खर्चः इसके दो कारण हैं। पहला, उत्पादन के लिए डीजल-पेट्रोल एक महत्वपूर्ण इनपुट है। खाद या खेती में काम आने वाली दूसरी चीजों पर इसके दाम का असर पड़ता है। फसल को बाजार में पहुंचाने में भी तेल लगता है। खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ने का असर गरीब देशों में रहने वाले लोगों पर तो और ज्यादा पड़ता है। उनकी पूरी आय का ज्यादातर हिस्सा भोजन में ही चला जाता है।

उदाहरण के लिए, भारत में एक आम मध्यमवर्गीय परिवार जितना खर्च करता है, उसमें औसतन 30 प्रतिशत, यानी एक तिहाई खर्च खाद्य पदार्थों पर होता है। मगर गरीब आबादी में आमदनी का 50-60 प्रतिशत भोजन पर खर्च होता है। जैसे ही खाने का दाम बढ़ता है, उसका असर भोजन की गुणवत्ता पर पड़ता है। लोग अच्छी गुणवत्ता वाला खाना खरीदना कम कर देते हैं। बाकी चीजों की भी खरीद कम हो जाती है। उदाहरण के लिए, लोग स्वास्थ्य, शिक्षा या ट्रांसपोर्ट खर्च में कटौती करते हैं। एकदम बेसिक चीजों पर भी लोग खर्च घटा देते हैं। महामारी के चलते हमने देखा है कि दुनिया भर में भूख और खाद्य असुरक्षा बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र के फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक 2020 के बाद लगभग 12 करोड़ और लोग महामारी के चलते भूख की जद में आए हैं।

बात भारत की करें, तो पिछले साल से हमने खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ते देखे, खासकर दाल और खाद्य तेल के। दोनों चीजें हमारे खाने में बहुत ही जरूरी हैं। इनके बिना खाना पौष्टिक नहीं हो सकता। पिछले साल हमने देखा कि खाने के तेल के दाम लगभग दोगुना हो गए थे। अब जब पूरी दुनिया में दाम बढ़ रहे हैं तो भारत में भी इसमे और बढ़ोतरी की आशंका है। भारत में जितना खाने का तेल इस्तेमाल होता है, उसका 60 प्रतिशत बाहर से आता है। जो तेल हम लोग आयात करते हैं, उसमें सूरजमुखी का तेल प्रमुख है। इसका 80 प्रतिशत हिस्सा यूक्रेन से आता है। इससे हम समझ सकते हैं कि लगातार जो दाम बढ़ रहे हैं, वह तो है ही, लेकिन कुछ खाद्य पदार्थों के दाम और ज्यादा बढ़ेंगे। भारत में महामारी के बाद हुए ढेरों सर्वे दिखा रहे हैं कि बेरोजगारी बढ़ी है, आय घटी है और इससे भूख और खाद्य असुरक्षा भी बढ़ी है। उदाहरण के लिए, पिछले दिनों राइट टु फूड, रोजी-रोटी अधिकार अभियान ने एक हंगर वॉच-2 के नाम से सर्वे किया। यह 14 राज्यों में लगभग 7 हजार लोगों के बीच किया गया। इनमें से 80 प्रतिशत ने कहा कि वे किसी ना किसी तरह की खाद्य असुरक्षा महसूस करते हैं। इनमें से भी 25 प्रतिशत लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा महसूस करते हैं। इसी सर्वे में यह भी निकला कि 40 प्रतिशत से ज्यादा लोगों ने कहा कि महामारी से पहले फरवरी 2020 में जितना और जिस गुणवत्ता का खाना वे खा पाते थे, दो साल बाद अभी वे उससे भी कम खा पा रहे हैं। खाद्य असुरक्षा और भूख की समस्या इस वजह से भी बढ़ी है कि सिर्फ खाद्य पदार्थों के दाम ही नहीं बढ़ रहे, एलपीजी गैस के भी दाम बढ़ रहे हैं, उस पर सब्सिडी घट गई है। सर्वे में शामिल दो-तिहाई लोगों ने कहा कि पिछले महीने वे गैस खरीद नहीं पाए क्योंकि उनके लिए उसका खर्च उठाना संभव नहीं था। भारत में हम देखते हैं कि जीडीपी ग्रोथ घट गई है और आर्थिक रिकवरी की बात हो रही है। सब लोग कह रहे हैं कि बाजार में मांग की समस्या है, लोगों की खरीदने की क्षमता गिर गई है। ऐसे में हम समझ सकते हैं कि एक तरफ भूख बढ़ी हुई है, दूसरी तरफ अगर दाम भी बढ़ेंगे तो लोगों की खरीदने की क्षमता और भी कम हो जाएगी। इसमें सरकार दो काम कर सकती है। पहली यह कि एफसीआई के गोदामों में अभी भी 9 करोड़ टन से ज्यादा अनाज पड़ा हुआ है। सारे फील्ड सर्वे दिखाते हैं कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में जो मुफ्त अनाज दिया जा रहा था, वह जिनके पास राशन कार्ड है, उन तक पहुंच रहा था और लोगों की काफी मदद भी कर रहा था। यह योजना इसी महीने मार्च में खत्म होने वाली है। इसे और बढ़ाया जाए। जब तक महामारी है, इसमें उन्हें भी जोड़ा जाए, जिनके पास राशन कार्ड नहीं है। दूसरे, सरकार यह कर सकती कि वह दाल और तेल की मंडियों से खरीद करे और इनको कम दाम में राशन की दुकानों के जरिए बांटे, ताकि इन चीजों के दाम स्थिर रहें। इससे अभी लोगों को न सिर्फ मदद मिलेगी, बल्कि यह लंबे समय के लिए भी अच्छा होगा।

पॉमोलॉजिस्ट बनकर संवारें अपना भविष्य

सबसे पहले तो आपको पेड़-पौधों से लगाव होना चाहिए और उनके बारे में जानने की उत्सुकता होनी चाहिए। इसके अलावा आपको फलों के पौधे की खेती और इसके गुणों का अच्छा ज्ञान होना चाहिए। आपके भीतर धैर्य व कड़ी मेहनत करने व रिसर्च आदि के गुण भी होने चाहिए।

देश का भविष्य दो लोगों के हाथ में होता है एक अध्यापक और दूसरा किसान। जहां एक अध्यापक बच्चों में अच्छे संस्कारों का समावेश करते हैं, वहीं किसान अच्छी पैदावार के जरिए देश को स्वस्थ बनाते हैं और उनके इस काम में उनकी मदद करते हैं पॉमोलॉजिस्ट। एक पॉमोलॉजिस्ट एक पेशेवर है जो फल और नट्स के पौधों की उचित वृद्धि और प्रजनन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है। वे आमतौर पर बागों, खेतों और प्रयोगशालाओं में काम करते पाए जाते हैं। एक पॉमोलॉजिस्ट फलों के विकास के विभिन्न चरणों का अध्ययन करता है और फल उत्पादन को बेहतर बनाने में मदद करता है। उनके पास फल और पेड़ों के भौतिक और रासायनिक गुणों की अच्छी समझ होती है। वे एक विशिष्ट क्षेत्र में फलों की सबसे अच्छी उपज सुनिश्चित करते हैं और जलवायु विज्ञान का अच्छा ज्ञान रखते हैं जो पौधों की वृद्धि के लिए एक आवश्यक कारक है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि एक पॉमोलॉजिस्ट बनने के लिए आपमें कौन से गुण होने चाहिए–

स्किल्स

अगर आप इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे हैं तो आपमें कुछ स्किल्स अवश्य होने चाहिए। सबसे पहले तो आपको पेड़–पौधों से लगाव होना चाहिए और उनके बारे में जानने की उत्सुकता होनी चाहिए। इसके अलावा आपको फलों के पौधे की खेती और इसके गुणों का अच्छा ज्ञान होना चाहिए। आपके भीतर धैर्य व कड़ी मेहनत करने व रिसर्च आदि के गुण भी होने चाहिए।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि विज्ञान विषय से 12 वीं उत्तीर्ण करने के बाद, उम्मीदवार को स्नातक, वनस्पति विज्ञान, कृषि विज्ञान के समकक्ष डिग्री हासिल करनी चाहिए। जो लोग फलों में एक वैज्ञानिक या शोधकर्ता के रूप में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, उन्हें पॉमोलॉजी में एमएससी करनी चाहिए और इसके बाद पोमोलॉजी में पीएचडी करना चाहिए।

संभावनाएं

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप इस क्षेत्र में संबंधित पढ़ाई करने के बाद पॉमोलॉजी एग्रीकल्चर सुपरवाइजर, फ्रूट साइंटिस्ट, पॉमोलॉजी टेक्निशियन, पॉमोलॉजी प्रोफेसर व फ्रूट फार्मर के रूप में काम कर सकते हैं। आपके लिए एग्रीकल्चरल आर्गेनाइजेशन से लेकर कॉलेज व यूनिवर्सिटी, रिसर्च इंस्टीट्यूट, लेबोरेटरी व ग्रीनहाउस आदि में जॉब की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इसके अलावा आप गवर्नमेंट आर्गेनाइजेशन में भी काम कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी इस बात पर निर्भर करेगी कि आप किस पद पर और किस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। फिर भी शुरूआत में आप 25000–30000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- बीयू भोपाल, भोपाल
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, पुणे
- सेंट जेविर्यस कॉलेज, मुंबई
- तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर
- डीजी वैष्णव कॉलेज, चेन्नई
- भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, खड़गपुर
- माउंट कार्मल कॉलेज, बैंगलोर

वेब डिजाइन वेबसाइटों के उत्पादन और रखरखाव में कई अलग-अलग कौशल और विषयों को शामिल करता है। वेब डिजाइन के विभिन्न क्षेत्रों में वेब ग्राफिक डिजाइन, उपयोगकर्ता इंटरफेस डिजाइन, मानकीकृत कोड और मालिकाना सॉफ्टवेयर सहित संलेखन, उपयोगकर्ता अनुभव डिजाइन, और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन शामिल हैं। वेब डिजाइनिंग आज के आईटी क्षेत्र का एक अभिन्न अंग है। वेब डिजाइनिंग का उपयोग वेबसाइटों के निर्माण और योजना के लिए किया जाता है। सामान्यतया, वेब डिजाइन किसी भी वेबसाइट की विकास प्रक्रिया से डील के बारे में है। कॅरियर के नजरिए से आईटी उद्योग में कॅरियर शुरू करने के लिए वेब डिजाइन एक अच्छा विकल्प और अवसर है। वेब डिजाइनर अपनी ऑनलाइन पहचान स्थापित करने के लिए वेबसाइट, वेब पेज और सरकारी या गैर-सरकारी संगठनों, व्यवसायों, उद्योगों और कॉर्पोरेट फर्मों के लिए वेब एप्लिकेशन डिजाइन करते हैं।

वेब डिजाइनिंग के क्षेत्र में करें कॅरियर का निर्माण

वेबसाइट संरचना बनाने के लिए एक वेब डिजाइनर कई चीजों का उपयोग करता है, जैसे कि टेक्स्ट, सूचना वास्तुकला, चित्र, फॉन्ट, रंग, मार्कअप भाषा और अन्य इंटरैक्टिव तत्व। दूसरे शब्दों में वेब डिजाइनिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक वेब डिजाइनर विजिटर्स को एक ही मंच पर कई लिंक, चित्र, ग्राफिक्स, आदि के साथ वेब पेज तक पहुंचने में सक्षम बनाता है। वेब डिजाइनर किसी भी तरह की वेबसाइट पर काम करते हैं, एक इंटरैक्टिव शिक्षा साइट से लेकर खरीदारी की ऑनलाइन साइट तक। इस भूमिका के मुख्य कार्य हैं :

- ग्राहकों से इस बात पर चर्चा करने के लिए कि वे अपनी साइट को क्या करना चाहते हैं और इसका उपयोग कौन करेगा
- एक डिजाइन योजना तैयार करना, साइट की संरचना को दिखाना और विभिन्न भागों को एक साथ जोड़ना
- निर्णय लेना कि कौन सा ब्रांडिंग, टेक्स्ट, रंग और पृष्ठभूमि का उपयोग करना है
- डिजाइन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पेज और पोजिशनिंग बटन, लिंक और चित्र बनाना
- मल्टीमीडिया फीचर्स, जैसे साउंड, एनीमेशन और वीडियो जोड़ना
- परीक्षण और डिजाइन और साइट में सुधार, जब तक कि सब कुछ योजना के अनुसार काम न करे
- ऑनलाइन प्रकाशन के लिए साइट को सर्वर पर अपलोड करना

वेब डिजाइनर बनने की पात्रता

- डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश लेने के लिए उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी स्ट्रीम में 10 वीं कक्षा या 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
- स्नातक की डिग्री में प्रवेश लेने के लिए उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी विषय में 12 वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा (डिप्लोमा / प्रमाणन) उत्तीर्ण होना चाहिए।
- पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज / संस्थान / विश्वविद्यालय से किसी भी स्ट्रीम में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए।

इसके अलावा उम्मीदवारों को वेब डिजाइनिंग में 1 से 2 साल का डिप्लोमा या वेब डिजाइनिंग में 6 महीने से 1 साल का सर्टिफिकेट होना चाहिए। कुछ संस्थान / कॉलेज डिप्लोमा कोर्स के लिए कोई आयु सीमा प्रदान नहीं करते हैं। आप एक उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम भी ले सकते हैं, जैसे एक फाउंडेशन डिग्री, क्ककया एक डिजाइन या मल्टीमीडिया विषय में डिग्री। प्रासंगिक विषयों में शामिल हैं :

- वेब डिजाइन और डेवलपमेंट
- मल्टीमीडिया डिजाइन
- डिजिटल मीडिया डेवलपमेंट
- इंटरैक्टिव कंप्यूटिंग

आपको HTML के एक अच्छे कामकाजी ज्ञान और कोड के संयोजन में वेब पेज लिखने के अनुभव की आवश्यकता होनी चाहिए। यह और भी उपयोगी हो सकता है अगर आपको निम्नलिखित डिजाइन और प्रोग्रामिंग टूलों में से कुछ का ज्ञान हो :

- ड्रीमविवर और फोटोशॉप
- फ्लैश • सीएसएस
- जावास्क्रिप्ट • नेट फ्रेमवर्क

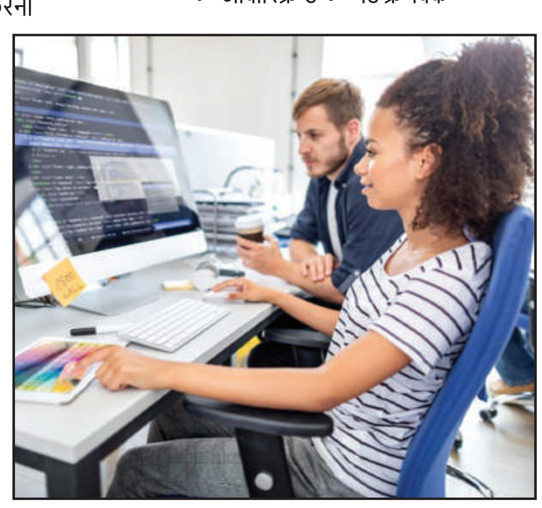

वेब डिजाइनर जॉब रोल्स के प्रकार

कई तरह की नौकरियों के लिए आजकल वेब डिजाइनर की आवश्यकता होती है। निम्नलिखित कुछ नौकरी प्रोफाइल हैं जो वेब डिजाइनर आवश्यक कौशल और योग्यता प्राप्त करने के बाद ले सकते हैं।

फ्रंट–एंड डेवलपर : फ्रंट–एंड वेब डेवलपर की भूमिका उन विजुअल तत्वों / प्रभावों को लागू करना है जो उपयोगकर्ता वेब एप्लिकेशन के भीतर देखते हैं और बातचीत करते हैं।

बैक–एंड डेवलपर : बैकएंड वेब डेवलपर्स वर्क फ्रंटेंड डेवलपर्स के एकीकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और वे सर्वर–साइड वेब एप्लिकेशन लॉजिक के लिए भी जिम्मेदार होते हैं।

वेब एप्लिकेशन डेवलपर : वेब एप्लिकेशन डेवलपर क्लाइंट की विशिष्टताओं के अनुसार वेबसाइट डिजाइनिंग, संशोधन, कोडिंग और लेआउट आदि के लिए जिम्मेदार होते हैं।

डिजाइन और लेआउट विश्लेषक : डिजाइन और लेआउट विश्लेषक एक ऐसा व्यक्ति होता है जो लेआउट संपादकों के डिजाइन और प्रिंट या ऑनलाइन उपयोग के लिए पृष्ठों या अन्य सामग्रियों के लिए जिम्मेदार होता है।

वरिष्ठ वेब विश्लेषक : वरिष्ठ वेब विश्लेषक की भूमिका अत्याधुनिक और उन्नत तकनीकों का उपयोग करके सोलूशन्स बनाना और उसे मेन्टेन रखना होती है।

वेब मार्केटिंग एनालिस्ट : ऑनलाइन क्लाइंट व्यवहार, वेबसाइट विश्लेषण, ऑनलाइन विज्ञापन और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन के कार्यान्वयन और विकास के संबंध में डेटा के संग्रह और व्याख्या सहित वेब मार्केटिंग विश्लेषक के कर्तव्य कई प्रकार के होते हैं।

प्रोफेशनल कोर्स करना चाहते हैं, तो पहले ये जानें

आज बारहवीं के बाद ही युवा कॅरियर निर्धारित करने लगे हैं। आज से कुछ सालों पहले तक यही सोच थी कि पहले पढ़ाई पूरी कर लें, बाद में नौकरी के बारे में सोचेंगे। अधिकतर स्टूडेंट्स यह सोचते हैं कि यदि परंपरागत प्रोफेशनल कोर्स जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल, सीए, सीएस आदि में एडमिशन नहीं मिल पाया तो उसके बाद प्रोफेशनल और एकेडमिक कोर्स में से क्या बेहतर होगा।

पहले ये सोचें

प्रोफेशनल कोर्स में जाने से पहले आपको कुछ सवालों के जवाब खुद तलाशनें होंगे। क्या आपको अपनी परिस्थितियों और पारिवारिक समस्याओं के चलते जॉब की सख्त आवश्यकता है? क्या आपका परिवार आर्थिक रूप से इतना सक्षम है कि प्रोफेशनल शिक्षा के खर्च का वहन कर सके? अधिकतर स्टूडेंट्स पारिवारिक और आर्थिक समस्याओं के चलते प्रोफेशनल कोर्स का चयन करते हैं, ताकि कुछ वर्षो की पढ़ाई करने के बाद नौकरी का बेहतर विकल्प मिल सके। लेकिन कुछ कोर्स की फीस काफी अधिक होती है। इस कारण आपके लिए बेहतर होगा कि कोर्स चुनने से पहले उसकी फीस, कैंपस प्लेसमेंट और घर की आर्थिक स्थिति से भलीभांति अवगत हो जाएं।

क्या है रूचि

कोई भी कोर्स खराब नहीं होता है, क्योंकि सभी क्षेत्रों में सभी तरह के लोगों की मांग रहती है। इस कारण सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करें कि हमें यह कोर्स करना है। कोर्स का चयन करते समय कुछ बातों को ध्यान रखेंगे, तो आप सही और बेहतर कोर्स चुनने में सफल हो सकते हैं। सही कॅरियर चुनने से पहले आप अपनी रुचि, आर्थिक स्थिति और आनेवाले समय में इनकी मांगों को अवश्य देखें। अब कॅरियर के क्षेत्र में मिलने वाले अवसरों का वर्गीकरण कुछ इस तरह से हो गया है कि हर किसी के पास अपनी क्षमताओं, रुचियों व रुझानों के मुताबिक कई तरह के कॅरियर ऑप्शन हैं। प्रोफेशनल कोर्स ने छात्रों को ढेरों विकल्प दिए हैं।

पढ़ाई पहले

अक्सर स्टूडेंट्स किसी संस्थान में इस कारण एडमिशन ले लेते हैं कि उसका नाम काफी है। अन्य संस्थानों की अपेक्षा काफी पैसे भी देने के लिए राजी हो जाते हैं, लेकिन उन्हें पछतावा तब होता है, जब उस संस्थान में अपेक्षा के अनुरूप पढाई नहीं होती है। उस समय स्टूडेंट्स के पास कोई अन्य विकल्प नहीं होता है। आप यदि किसी संस्थान में किसी तरह का कोर्स करना चाहते हैं, तो सबसे पहले उस संस्थान के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। जानकारी प्राप्त करने का बेहतर तरीका यह है कि आप उस संस्थान में पढ रहे स्टूडेंट्स से पढ़ाई और फैकल्टी मेंबर्स के बारे में सही जानकारी लें। वहां के स्टूडेंट्स आपको सही बात बता देंगे। कुछ स्टूडेंट्स संस्थान के प्रोस्पेक्टस के आधार पर ही कैंपस प्लेसमेंट को सही मान लेते हैं। आपके लिए बेहतर होगा कि आप पिछले वर्ष पास किए गए स्टूडेंट्स की संख्या और नौकरी प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर ही कोई निर्णय लें।

बनें जीएसटी के एक्सपर्ट

बिगनर कोर्स को आप डिप्लोमा भी समझ सकते हैं, जिसके लिए आपको 12वीं पास करना आवश्यक होता है। इसमें आपको 24 से 48 घंटे तक की क्लास रूम ट्रेनिंग दी जाती है और तमाम जीएसटी के बेसिक्स की जानकारी आपको दी जाती है।

भारतवर्ष में टैक्स सुधार की दिशा में जीएसटी एक बड़ा कदम माना गया। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स, यानी वस्तु एवं सेवा कर, अपने आप में एक बड़ा क्रांतिकारी कदम था और पूरे देश में एक समान टैक्स की व्यवस्था करने में इसकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसके पहले कई तरह के टैक्सेज थे, जो अलग–अलग जगहों पर लगते थे और उसकी वजह से लालफीताशाही भी खूब फलती फूलती थी। साथ ही जीएसटी आने के बाद अब ऐसे प्रोफेशनल्स की भी भारी डिमांड हो चुकी है, जो इन कोर्सेज में विशेषज्ञ हों, जो समझ सकें और समझा सकें कि कस्टमर के लिए क्या बेहतर है और क्या लाभकारी नहीं है, खासकर टैक्स के मामले में! छोटे व्यापारियों के लिए यह काफी बेहतर माना गया, क्योंकि तमाम सरकारी फॉर्मेलिटी और परमिशन लेने के प्रोसेसेस इसमें काफी कम किए गए हैं। साथ ही लॉजिस्टिक भी इससे आसान ही हुआ है, तो असंगठित क्षेत्र भी रेगुलेट होने की दिशा में मजबूती से बढ़ चला है। ऐसे में क्या आप भी इस फील्ड के एक्सपर्ट बनना चाहते हैं? आइए देखते हैं इसकी डिटेल्स, लेकिन उससे पहले आप जान लें कि जीएसटी में मुख्य रूप से कौन–कौन से काम शामिल किए जाते हैं। जीएसटी ट्रांजैक्शंस का रजिस्ट्रेशन इसमें सबसे पहले आता है। जी हां! इस कार्य में अगर 20 लाख से अधिक आपका टर्नओवर है तो आप एक टैक्सेबल सिटीजन के तौर पर जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराने के योग्य हो जाते हैं। ध्यान रहे, अगर इस लिमिट पर आप नहीं कराते हैं, तो फिर आप पर पेनाल्टी लग सकती है। इसके बाद जीएसटी रिटर्न की बात आती है। इसमें अलग–अलग फॉर्म होते हैं, जिसमें सेल, परचेज और दूसरे टैक्स इत्यादि की डिटेल भरनी होती है।

इसके बाद तीसरा जो काम आता है वह जीएसटी एकाउंटिंग का काम होता है। इसमें बारीकी से कैलकुलेशन को चेक किया जाता है और विभिन्न बिजनेस और आपकी संस्था की विशेष जरूरतों को पूरा करने की प्रक्रिया करनी होती है।

इसके बाद चौथे नंबर पर जीएसटी रिकॉर्ड की बात आती है। जाहिर तौर पर यहां रिकॉर्ड मेंटेन किया जाता है। इसे ड्राफ्ट रिकॉर्ड्स रूल्स भी कहते हैं, जिसमें एडिशनल जीएसटी अकाउंटिंग और रिकॉर्ड कीपिंग रिक्वायरमेंट शामिल किया जाता है। जाहिर तौर पर यह सारी चीजें अगर आप सीख लेते हैं तो आपको मार्केट में अच्छी खासी अपॉर्चुनिटी मिलने की संभावना प्रबल हो जाती है। पर प्रश्न उठता है कि कौन से कोर्सेज इसके लिए बेहतर है?

इसमें सबसे पहले बिगनर कोर्स आता है। बिगनर कोर्स को आप डिप्लोमा भी समझ सकते हैं, जिसके लिए आपको 12वीं पास करना आवश्यक होता है। इसमें आपको 24 से 48 घंटे तक की क्लास रूम ट्रेनिंग दी जाती है और तमाम जीएसटी के बेसिक्स की जानकारी आपको दी जाती है। सामान्य तौर पर यह कोर्स 5000 तक आपको मार्केट में उपलब्ध हो जाता है। इसके बाद आप जीएसटी इंटरमीडिएट कोर्स कर सकते हैं। जी हां! बिगनर कोर्स के बाद यह कोर्स आपके सामने आता है और प्रैक्टिकल जानकारी आपको इसमें प्रदान की जाती है। अकाउंट्स और मैनेजर के लिए भी यह कोर्स काफी अच्छा माना जाता है, और ई लर्निंग के माध्यम से इस कोर्स को पूरा किया जा सकता है। तकरीबन 60 घंटे तक, इसकी ट्रेनिंग पर्याप्त होती है। लगभग 6000 में यह कोर्स अवेलेबल है।

टैली ईआरपी

इसे भी 12वीं पास बच्चे कर सकते हैं। इसमें मैथमेटिकल कंप्यूटेशन भी शामिल होता है। कोई भी कंपनी अपनी बैलेंस शीट को अपने खर्चे और दूसरे अकाउंटिंग से जुड़े हिसाब किताब को मेंटेन करने के लिए आज के समय में ईआरपी भी यूज करती है। अगर आप भी ऑनलाइन इस कोर्स को करना चाहते हैं, तो अधिकतम 40 घंटे में इसे पूरा कर सकते हैं। 3000 से 4000 के बीच में यह कोर्स आपको अवेलेवल है। एक्सपर्ट लेवल के कोर्स के लिए भी 12वीं तक की शिक्षा अनिवार्य होती है, लेकिन तकरीबन 135 घंटे की ऑनलाइन या क्लासरूम ट्रेनिंग आपको करना होता है। फिर एग्जाम देने के बाद आप जीएसटी में एक्सपर्ट लेवल के डिप्लोमा होल्डर कहला सकते हैं। कोर्स के लिए 12 से 14000 के बीच में फीस आपको चुकानी पड़ सकती है।

जीएसटी बिजनेस मैनेजमेंट

जी हाँ!, अगर आप 12वीं पास हैं तो आप इस कोर्स में जा सकते हैं। तकरीबन 8,000 रुपए देकर आप 60 घंटे तक की ऑनलाइन ट्रेनिंग ले सकते हैं। अब आप समझ गए होंगे कि अलग अलग तरीके के कोर्सेज किस तरीके से आपको फायदा दे सकते हैं। इसके अलावा आईसीएआई यानी भारतीय लागत लेखाकार संस्थान ने भी जीएसटी कोर्स की शुरुआत की है। यह जीएसटी का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम माना जाता है। अगर आप ऐसे ही कोर्सेज दूसरी यूनिवर्सिटीज से करना चाहते हैं तो डॉक्टर भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ यूनिवर्सिटी जैसे तमाम संस्थान भी जीएसटी पर कोर्सेज करा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में भी जीएसटी पर पाठ्यक्रम शुरू होने वाला है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि आप इस फील्ड में कितना इंटरेस्ट लेते हैं और किस तरीके से अपने कॅरियर को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

नतीजों से पहले अखिलेश का बड़ा आरोप : कहा-

ईवीएम को इधर-उधर किया जा रहा काउंटिंग सेंटर्स की किलेबंदी करें युवा

ढोल लेकर आजादी के अफसाने गाएं

लखनऊ।
अखिलेश यादव ने मंगलवार को नतीजों से पहले प्रेस कॉफ्रेंस की। उन्होंने काउंटिंग से पहले भाजपा सरकार पर गड़बड़ी का आरोप लगाया। अखिलेश ने कहा कि वाराणसी में ईवीएम को इधर-उधर किया जा रहा है। जहां बीजेपी हार रही है, उन जिलों के डीएम के पास मुख्यमंत्री और प्रमुख सचिव का फोन जा रहा है। काउंटिंग स्लो रखिएगा। उन्होंने कहा कि बनारस में ईवीएम का एक ट्रक पकड़ा गया है। एक ट्रक भाग गया है। बरेली में कूड़े की गाड़ी में बैलेट पेपर्स से भरे 3 बक्से मिले हैं। सोनभद्र में भी हेराफेरी की जा रही है। सरकार वोट की चोरी कर रही है। हालांकि, देर शाम एसीएस नवनीत सहगल ने इन आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में इस्तेमाल सभी ईवीएम स्ट्रांग रूम में सीआरपीएफ के कब्जे में है। उधर, सपा के प्रतिनिधिमंडल ने इन मामलों की शिकायत चुनाव आयोग से की है।

बिना जानकारी के EVM को क्यों ले जाया जा रहा?

उन्होंने कहा कि बनारस में बिना सिक्योरिटी के ईवीएम मशीनों को ले जाया जा रहा है। ईवीएम मशीन को इधर-उधर ले जाना है तो प्रत्याशियों के साथ भेजें। भाजपा का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि यह लोग तब डर गए थे जब इन लोगों ने देखा कि बंगलों और सपा सरकार में बने पार्कों की सफाई हो रही है। वहीं, एग्जिट पोल पर अखिलेश ने कहा कि मैं इस बारे में कुछ बोलना नहीं चाहता था। लेकिन जो कल एग्जिट पोल आए हैं। वह कहीं न कहीं परसेप्शन क्रिएट करना चाह रहे हैं ताकि वह वोट की चोरी कर सके और किसी को पता ना चले।

अखिलेश की अपील के बाद सपा कार्यकर्ता आगरा में मंजीरा और ढोलक लेकर पहुंच गए।

जब तक काउंटिंग न हो तब तक निगरानी रखिए

अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश की लड़ाई लोकतंत्र की आखिरी लड़ाई है। यह चुनाव लोकतंत्र को बचाने के लिए है। क्योंकि, इसके बाद फिर बदलाव के लिए क्रांति करनी होगी। जैसे आजादी के लिए लड़ाई लड़नी पड़ी थी, वैसी ही लड़ाई फिर लड़नी पड़ेगी। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अगर हमने वोट दिया है तो फिर हमारी जिम्मेदारी बनती है कि वोट को बचाएं। मैं सच्चे लोगों से कहता हूं कि वे आगे आए। मैं अपनी पार्टी के लोगों से कहूंगा कि जब तक काउंटिंग न हो जाए तब तक नजर रखें। कैसे वोट बचाया जा सकता है। अब उनके बस में वही हैं, जो वह कर रहे हैं।

प्रमुख सचिव ने फोन करके धीमी काउंटिंग के लिए डीएम को कहा

अखिलेश ने कहा कि उनको जानकारी मिली है कि मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव जिलों के डीएम को फोन कर रहे हैं। कह रहे हैं कि जहां भाजपा हार रही है वहां पर काउंटिंग धीमी करें, ताकि वह हेरफेर कर सकें। डीएम सरकार के लिए काम कर रहे हैं। मैं बनारस के डीएम को जानता हूं। जब समाजवादी पार्टी का चुनाव था जब इलेक्शन कमीशन से विपक्ष के लोगों ने शिकायत की तो इलेक्शन कमीशन ने हटाया था। लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया।

इसलिए काउंटिग स्थल पर जैमर की मांग की

बैलट पेपर पकड़े गए हैं। सोनभद्र में बरेली में जिस तरीके से ही ईवीएम को ले जाया जा रहा है यह सब बड़ी बात है। इलेक्शन कमीशन को देखना चाहिए कि खुले आम जनता देख रही है कि किस तरीके से ईवीएम मशीन को लेकर इधर-उधर जा रहा है कि इलेक्शन कमीशन ने संज्ञान में क्यों नहीं लिया। जैमर की मांग मैंने इसलिए की है। क्योंकि कोई ऐसी टेक्नोलॉजी हो सकती हो जो मैनुपुलेशन किया जा सके।

एसीएस ने कहा- जो ईवीएम मिली वह ट्रेनिंग के लिए है

अखिलेश के आरोपों पर एसीएस नवनीत सहगल ने बताया कि वाराणसी में ट्रेनिंग के लिए ईवीएम को मंडी में स्थित अलग गोदाम से क्कॉलेज ले जाया जा रहा था। कुछ राजनीतिक लोगों ने वाहन को रोक कर उसे चुनाव में इस्तेमाल श्क्क्रू कह करके अफवाह फैलाई है। बुधवार को काउंटिंग ड्यूटी में लगे कर्मचारियों की सेकंड ट्रेनिंग है।

यूक्रेनी मीडिया का दावा

नही टूटा यूक्रेन सरकार का मनोबल, थम सी गई है रूसी सेना के सैन्य काफिले की रफ्तार

कीव
समय बीतने के साथ ही भारी ताकतवार दिख रहा रूस कमजोर होते जा रहा है। यूक्रेन के दावे के मुताबिक रूसी सेना ने 24 फरवरी को हमले के बाद 6 मार्च तक कब्जे का प्लान बनाया था। लेकिन यूक्रेनी पलटवार के कारण रूस को मुश्किलें आ रही हैं। रूसी सेना के सीक्रेट डॉक्यूमेंट के आधार पर यूक्रेन जॉइंट फोर्स ऑपरेशन ने ये दावे किए हैं। फोर्स के अनुसार उनके हाथ सीक्रेट बैटलफील्ड ऑपरेशन के दस्तावेज लगे हैं। यूक्रेनी मीडिया के मुताबिक रूसी सेना के पास दो सप्ताह का ही तेल और राशन मौजूद था। वो अब खत्म होने के कगार पर है। शहरों पर पूरी तरह से कब्जा नहीं कर पाने के कारण रूसी सेना का लॉजिस्टिक भी गंभीर समस्या में है। दस्तावेज कहते हैं कि यूक्रेन सरकार का मनोबल तोड़ने के लिए कीव पर कब्जा जरूरी है। यूक्रेन का दूसरा शहर खारकीव एविएशन इंडस्ट्री और एयरस्पेस का बड़ा इंपोर्ट सेंटर है। मारियोपूल सबसे बड़ा पोर्ट है इसलिए क्रीमिया के जरिए रूसी क्षेत्र से जोड़ने के लिए उस पर कब्जा भी महत्वपूर्ण है। रूसी सेना के 65 किमी लंबे सैन्य काफिले की रफ्तार भी थम सी गई है।

खारकीव में तबाह रूसी टैंक।

पीछे हटने को तैयार नहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमायेर जेलेंस्की रूसी युद्ध के 13वें दिन मंगलवार को राजधानी कीव स्थित अपने सरकारी दफ्तर में आ डटे। उन्होंने अपना वीडियो पोस्ट कर बकायदा अपनी लोकेशन भी सार्वजनिक की। युद्ध के दौरान ये पहली बार है जब जेलेंस्की ने अपने दफ्तर से वीडियो पोस्ट किया है। जेलेंस्की ने कहा कि मैं न भागा हूं और न ही भागूंगा। उन्होंने नाटो से यूक्रेन को नो फ्लाई जोन घोषित करने की मांग को दोहराया। जेलेंस्की अपने दफ्तर में ऐसे समय पर लौटे हैं जब रूसी सेना कीव से मात्र 35 किलोमीटर की दूरी पर गोस्टोमेल में भारी बमबारी कर रही है। मंगलवार देर शाम जेलेंस्की ने ब्रिटेन की संसद को ऑनलाइन संबोधित किया। इस बीच एस्टोनिया की प्रधानमंत्री काजा कलास ने कहा है कि अमेरिका को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में नाटो सेनाओं की मौजूदगी और बढ़ानी होगी। रूस अन्य पूर्वी यूरोपीय देशों पर हमला कर सकता है।

रूस को रूतबा वापस पाने की चाह

हाल में, रूस की इकोनॉमी गिर गई है। दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद सोवियत संघ बड़ी ताकत बनकर उभर रहा था। रूस यूरोपीय देशों पर अपना दबदबा बनाना चाहता था। इसके कारण रूस के संबंध यूरोपीय देशों के साथ खराब हो गए। रूस की इसी हालत का फायदा उठाना चाहता है अमेरिका, इसलिए वो चाहता है कि यूक्रेन नाटो और EU का सदस्य बन जाए। इससे अमेरिका सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

ग्वाटेमाला में ज्वालामुखी ने उगला लावा

ग्वाटेमाला। ग्वाटेमाला के इस्क्यूइन्टला में वॉल्केनो ऑफ फायर में से फिर से लावा और राख निकलने लगी। ढलान पर तेजी से लावा और राख बहने लगी। इस कारण करीब 500 लोगों को वहां से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना पड़ा। घटना मंगलवार को तड़के 3 बजे हुई। बचाए गए लोगों को पास के शहर इस्क्यूइन्टला में आश्रय स्थलों पर ठहराया गया है। यह जगह 2018 में भी ज्वालामुखी के कारण नष्ट हो गई थी। तब194 लोगों की मौत हो गई थी। वॉल्केनो ऑफ फायर मध्य अमेरिका के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है।

पीएम मोदी ने की नीदरलैंड्स के पीएम से बात

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री मार्क रूट से यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध से उपजी परिस्थितियों पर चर्चा की। दोनों ने युद्ध की वजह से यूक्रेन में पैदा हुए मानवीय संकट पर अपनी चिंताएं भी साझा कीं। मोदी ने एक बार फिर दोनों देशों से संघर्ष का अंत करने और वार्ता व कूटनीति के रास्ते पर लौटने की भारत की अपील दोहराई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि इस मसले का जल्द ही कोई हल निकलेगा। मोदी ने युद्ध क्षेत्र से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए चलाए जा रहे अभियान की प्रगति से रूट को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने वहां की प्रभावित जनता के लिए भारत की ओर से दवा सहित अन्य आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाए जाने के बारे में भी जानकारी दी।इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रूट को भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

जेलेंस्की का बड़ा ऐलान : यूक्रेन को नहीं चाहिए नाटो की सदस्यता

डोनेट्स्क और लुहांस्क पर भी बातचीत के लिए तैयार

नई दिल्ली
यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन अब नाटो की सदस्यता नहीं लेगा। उन्होंने यह भी कहा- वे दो अलग-अलग रूसी समर्थक क्षेत्रों (डोनेट्स्क और लुहांस्क) की स्थिति पर समझौता करने के लिए तैयार हैं, जिसे राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने 24 फरवरी को हमला शुरू करने से ठीक पहले आजाद घोषित किया था और मान्यता दी थी। ये वही मुद्दे हैं, जिन्हें रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की जड़ माना जा रहा है। रूस को शांत करने के उद्देश्य से उन्होंने ये फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि नाटो यूक्रेन को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। गठबंधन विवादास्पद चीजों और रूस के साथ टकराव से डरता है। नाटो की सदस्यता का जिक्र करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि वह ऐसे देश का राष्ट्रपति नहीं बनना चाहते, जो घुटनों के बल कुछ मांग रहा हो।

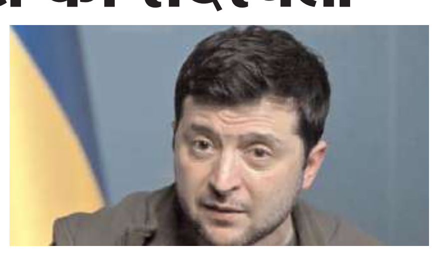

नाटो को खतरा मानता है रूस

रूस ने कहा है कि वह नहीं चाहता कि पड़ोसी यूक्रेन नाटो में शामिल हो। रूस नाटो के विस्तार को एक खतरे के रूप में देखता है, क्योंकि वह अपने दरवाजे पर इन नए पश्चिमी सहयोगियों की सेना नहीं चाहता है। यूक्रेन पर हमले का आदेश देकर दुनिया को चौंका देने से कुछ समय पहले पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन में स्थित डोनेट्स्क और लुहांस्क को आजाद घोषित किया था। अब पुतिन चाहते हैं कि यूक्रेन भी उन्हें स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे। इस संबंध में ज़ेलेंस्की ने कहा कि वह बातचीत के लिए तैयार हैं।

आग के बीच घिरा यह कबाड़ कभी शानदार वाहन हुआ करता था, लेकिन एक मिसाइल हमले में यह वाहन जलकर पूरी तरह से खाक हो गया है।

रूस-यूक्रेन जंग : भारतीय सेना में दो बार रिजेक्ट हो चुके सैनिकेश रविचंद्रन ने जॉइन की यूक्रेन आर्मी

रूस के खिलाफ लड़ रहे जंग

तमिलनाडु
तमिलनाडु के 21 साल के युवक ने यूक्रेनी सेना जॉइन कर ली है। हाइट के चलते भारतीय सेना में दो बार रिजेक्ट होने के बाद सैनिकेश रविचंद्रन रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन का साथ दे रहे हैं। कोयंबटूर में थुडालियुर के सैनिकेश खार्किव नेशनल यूनिवर्सिटी, यूक्रेन में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग स्टूडेंट हैं।

जॉर्जियाई नेशनल लीजन में शामिल हुए सैनिकेश

रिपोर्ट्स के मुताबिक सैनिकेश यूक्रेन की तरफ से जॉर्जियाई नेशनल लीजन की पैरामिलिट्री यूनिट में भर्ती हुए हैं। इंटेलिजेंस के लोग हाल ही में तमिलनाडु में सैनिकेश के घर गए थे। सैनिकेश के माता-पिता ने अधिकारियों को बताया कि वे हमेशा से ही सेना में जाना चाहते थे। उनके कमरे की दीवारें भारतीय सेना के जवानों और अधिकारियों की तस्वीरों से भरी हैं। सैनिकेश की फैमिली ने उनसे घर लौटने को कहा, लेकिन वे नहीं माने।

अमेरिकी सेना में भी झेला रिजेक्शन

सैनिकेश की पढ़ाई विद्या विकासिनी मैट्रिकुलेशन स्कूल से हुई है। सैनिकेश ने 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद भारतीय सेना में शामिल होने की कोशिश की, लेकिन अपने छोटे कद के चलते उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने अमेरिकी सेना में भी शामिल होने की कोशिश की, लेकिन कुछ वजहों से वहां भी उन्हें सफलता नहीं मिली। सितंबर 2018 में सैनिकेश ने खार्किव में नेशनल एयरोस्पेस यूनिवर्सिटी में पांच साल के इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लिया जो 2023 में पूरा होगा।

बेटे के फैसले से परिवार नाखुश

फरवरी में जब रूस ने यूक्रेन के खिलाफ जंग की शुरुआत की तो सैनिकेश ने यूक्रेन की तरफ से युद्ध में हिस्सा लेने का फैसला किया। हालांकि, उनका परिवार उनके इस फैसले के खिलाफ है। सैनिकेश के परिवार ने केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों से मिलने का फैसला किया है ताकि वे अपने बेटे को वापस बुला सके।

यूक्रेन पर हमले का 14वां दिन बाइडेन बोले

पुतिन कभी भी यूक्रेन नहीं जीत पाएंगे

नई दिल्ली
रूस और यूक्रेन की जंग का आज 14वां दिन है। जंग में फंसे लोगों को निकालने के लिए रूस ने बुधवार को सीज फायर का ऐलान किया है। कीव, खार्किव, सुमी, मारियुपोल, चेर्नीहीव शहरों में युद्ध विराम रहेगा। वहीं, यूक्रेन ने कहा- रूस के सैनिकों ने 61 अस्पताल और मेडिकल इक्विपमेंट्स तबाह कर दिए हैं। इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन यूक्रेन कभी जीत पाएंगे। क्योंकि रूसी आक्रमण में फंसे नागरिकों की दुर्दशा पर दुनियाभर में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। बाइडेन ने कहा- पुतिन एक शहर लेने में सक्षम हो सकते हैं, लेकिन वह कभी भी देश पर कब्जा नहीं कर पाएंगे। इसी बीच पड़ोसी देशों में रिफ्यूजी संकट बढ़ गया है। लोग रोमानिया, पोलैंड, मोल्डोवा, स्लोवाकिया, हंगरी और बेलारूस में शरण ले रहे हैं।

इन लोगों की आगे की राह मुश्किल दिख रही है। एक तरफ अमेरिका ने राज्य में आने वाले यूक्रेनियों को 'टेंपरेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस' देने का फैसला किया है। वहीं, दूसरी ओर लोगों को ब्रिटेन जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऊपर की तस्वीर देखकर समझा जा सकता है कि लोग पलायन करने को मजबूर हैं। इसी बीच पोलैंड ने अपने सभी मिग-29 फाइटर प्लेन यूक्रेन को देने का ऐलान किया है। हालांकि इस पर अमेरिका ने कहा है कि यह कदम चिंता पैदा करने वाला है और उचित नहीं है। यूक्रेन में अपनी आंखों के सामने इजिप्ट और नाइजीरियन स्टूडेंट्स को निकाले जाने का प्रयास तेज होता देखकर सूमी स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के भारतीय स्टूडेंट्स में बौखलाहट बढ़ने लगी है। स्टूडेंट्स एक ही सवाल बार-बार कर रहे हैं कि दूसरे देश जब अपने स्टूडेंट्स के लिए सामने आ रहे हैं तो हमारी सरकार पीछे क्यों हैं।

न्यूज ब्रीफ

शाहिद अफरीदी ने रावलपिंडी टेस्ट में पिच पर उठाए सवाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया पहला टेस्ट रावलपिंडी स्टेडियम में पांच दिनों के खेल में सिर्फ 14 विकेट गिरने के साथ ड्रॉ पर समाप्त हुआ प्रशंसक और विशेषज्ञ प्रदर्शन से खुश नहीं थे क्योंकि गेंदबाजों को सतह से कोई खास सहायता नहीं मिली जिस कारण पिच पर सवाल भी खड़े हुए। हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पिच का बचाव करते हुए कहा कि आईसीसी ने पिच को खराब रेटिंग नहीं दी है। पिच पर शाहिद अफरीदी ने भी सवाल उठाए हैं। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने कहा कि मेजबान टीम हार से बचने को प्राथमिकता देती है और इसलिए इस तरह की दौड़ से भरी सतह तैयार की। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के बारे में नहीं सोचा था, आलम यह था कि %हमें हारना नहीं चाहिए%। लेकिन लाहौर और कराची में अगले दो टेस्ट में उन्हें अच्छी पिचें बनानी होंगी। आपको अपनी घरेलू सीरीज का फायदा उठाना होगा, वरना जब आप ऑस्ट्रेलिया जाएंगे तो आपको संघर्ष करना होगा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने आगे बाबर आजम और टीम प्रबंधन के रक्षात्मक रवैये की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमारी गेंदबाजी की ताकत बहुत अच्छी है। हमारे तेज गेंदबाज इस ऑस्ट्रेलियाई टीम को आउट कर सकते हैं। ऐसा नहीं है कि हमारे बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को नहीं खेल सकते। पिछले कई वर्षों में क्रिकेट का विकास हुआ है, अब समय आ गया है कि हम भी बढ़ें। अगर आप चाहते हैं कि लोग आपको दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देशों में गिनें तो आपको सकारात्मक रहने की जरूरत है।

दिल्ली दीवास ने कोच्चि स्टार्स को महिला लीग राउंड 1 फाइनल में किया पराजित

नई दिल्ली। 3बीएल महिला लीग के पहले राउंड में दिल्ली दीवास ने गत चैंपियन कोच्चि स्टार्स को 15-7 से हरा दिया है। 3बीएल ने अपने तीसरे सत्र की कल ही शुरुआत की है। दिल्ली दीवास का नेतृत्व राष्ट्रीय महिला टीम की दिग्गज रसप्रीत सिद्धू कर रही थीं जिन्हें इस राउंड का मोस्ट वैल्युएबल खिलाड़ी के रूप में चुना गया है, जबकि कोच्चि स्टार्स का नेतृत्व 6 फीट 1 इंच की राष्ट्रीय महिला बास्केटबॉल खिलाड़ी स्टेफी निक्सन कर रही थी। दोपहर की कड़ी धूप के बीच दिल्ली दीवास ने कोच्चि स्टार्स के खिलाफ शुरू से अंत तक बढ़त बनाए रखी और अंत में राउंड 1 का खिताब अपने नाम किया। तवलीन भंडाल के टखने की चोट के बावजूद दिल्ली ने मैच में बढ़त बनाए रखने के लिए अपने मोमेंटम को बनाए रखा। दिल्ली का डिफेन्स कोच्चि के विरुद्ध शानदार था जिसने उन्हें सिर्फ 7 अंक ही अर्जित करने दिए। दीवास की कप्तान रसप्रीत सिद्धू जो भारतीय राष्ट्रीय महिला टीम में एक स्टार खिलाड़ी भी रह चुकी हैं, उन्होंने अपने टीम साथियों के लिए उदाहरण देने वाला प्रदर्शन किया। पूरे दिन के मैचों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किए जाने पर सिद्धू को राउंड 1 के लिए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) चुना गया।

हरमनप्रीत की धमाकेदार पारी गई बेकार : न्यूजीलैंड ने भारत को 62 रन से हराया, वर्ल्ड कप में कीवीयों के खिलाफ टीम इंडिया की 10वीं हार

नई दिल्ली

न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को महिला वर्ल्ड कप के 8वें मैच में 62 रन से हरा दिया है। भारत के सामने 261 रन का टारगेट था, जिसके जवाब में टीम 46.4 ओवर में 198 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। हरमनप्रीत कौर (71) टॉप स्कोरर रही। मिताली राज ने 31 रन बनाए। कीवी टीम की ओर से ली ताहुहू और अमेलिया केर ने 3-3 विकेट लिए। टीम इंडिया की वर्ल्ड में न्यूजीलैंड के खिलाफ ये 10वीं हार है। इससे पहले टॉस हारकर बैटिंग करते हुए कीवी टीम ने 9 विकेट खोकर 260 रन बनाए थे। एमी सैटरथवेट (75) टॉप स्कोरर रही, जबकि अमेलिया केर ने 50 रन की पारी खेली। टीम इंडिया के लिए पूजा वस्त्राकर ने 34 रन देकर सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए।

वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 10वीं हार

महिला वनडे वर्ल्ड कप में भारत का रिकॉर्ड कीवी टीम के खिलाफ बहुत ही खराब रहा है। दोनों टीमों के बीच वर्ल्ड कप के कुल 13 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 2 और न्यूजीलैंड ने 10 में जीत दर्ज की है। 1997 के टूर्नामेंट में खेला गया एक मुकाबला टाई रहा था।

हरमनप्रीत भी नहीं दिला पाई जीत

मैच में उप-कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 63 गेंदों पर 71 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकी। हरमनप्रीत ने भारतीय पारी के 42वें ओवर में हन्ना रोवे के खिलाफ 20 रन भी बनाए थे।

टीम इंडिया की खराब शुरुआत

टारगेट का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही और स्मृति मंधाना 21 गेंदों पर 6 रन बनाकर जेस केर की गेंद पर आउट हो गई। भारत का दूसरा विकेट दीप्ति शर्मा (5) के रूप में गिरा। हैं को ये विकेट रिव्यू पर मिला। दरअसल, अंपायर ने दीप्ति को नॉट-आउट दिया था, जिसके बाद न्यूजीलैंड ने रिव्यू लिया। रीप्ले में नजर आया कि गेंद ऑफ स्टंप की लाइन पर थी और सीधा दीप्ति के पैड पर जाकर लगी थी। भारत ने दो विकेट 26 के स्कोर पर गंवाए।

झूलन गोस्वामी ने रचा इतिहास

वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 39 विकेटों के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की

» 39 साल की उम्र में किया कारनामा

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप मुकाबले में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। चकदा एक्सप्रेस के नाम से मशहूर 39 साल की झूलन ने वनडे वर्ल्ड कप में 39 विकेट अपने नाम कर लिए हैं। झूलन ने वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिन फुलस्टन की बराबरी कर ली है। फुलस्टन ने 1982-1988 के बीच वर्ल्ड कप में खेले 20 मैचों में ये कमाल किया था। वहीं, झूलन को 39 विकेट लेने में 30 मैच लगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एक विकेट लेते ही रचा इतिहास

झूलन गोस्वामी ने गुरुवार को न्यूजीलैंड की कैटी मार्टिन को अपना 39वां शिकार बनाया। उनको ये विकेट आखिरी ओवर में मिला। मैच में झूलन ने 9 ओवर गेंदबाजी की और 41 रन देकर एक विकेट अपने नाम किया। साथ ही उन्होंने एक मेडन ओवर भी डाला। अब तक बंगाल की इस तेज गेंदबाज ने 12 टेस्ट में 44 विकेट, 197 वनडे में 248 विकेट और 68 टी-20 मैच में 56 विकेट ले लिए हैं। टीम इंडिया को वर्ल्ड कप में अगला मुकाबला 12 मार्च को खेलना है। उम्मीद है कि झूलन जब वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में उतरेंगी तो वो फुलस्टोन का रिकॉर्ड तोड़ देंगी।

झूलन का पांचवा वर्ल्ड कप

भारतीय महिला टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी लगभग 20 सालों से भारत के लिए क्रिकेट खेल रही हैं। ये झूलन का 5वां वर्ल्ड कप है। पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को मात दी थी। वहीं, दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को 261 रन का टारगेट दिया था। एमी सैटरथवेट (75) न्यूजीलैंड के लिए टॉप स्कोरर रहीं, जबकि अमेलिया केर ने 50 रन की पारी खेली। टीम इंडिया के लिए पूजा वस्त्राकर ने 34 रन देकर सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए। जिसके जवाब में भारतीय टीम 198 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। भारतीय टीम आज तक एक भी वर्ल्ड कप अपने नाम नहीं कर पाई है। इस बार टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जीतने का फेवरेट माना जा रहा है।

तेज गेंदबाज श्रीसंत क्रिकेट से रिटायर, लंबे समय बाद इस बार रणजी ट्रॉफी में खेले

नई दिल्ली

अपने करियर के दौरान विवादों में घिरे रहे तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत ने बुधवार को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट की घोषणा कर दी। उन्होंने ट्विटर पर इसकी घोषणा की। श्रीसंत मैच फिक्सिंग के आरोपों में जांच के कारण लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे थे। उन्होंने इस सीजन में केरल के लिए रणजी ट्रॉफी से पिच पर वापसी की थी, लेकिन उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली। भारत के लिए 27 टेस्ट मैच, 53 वनडे और 10 टी-20 मैच खेलने वाले 39 साल के श्रीसंत को रणजी ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ मैच में महज 2 विकेट मिले थे। श्रीसंत भारत की 2007 टी-20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे थे। जोगिंदर शर्मा की गेंद पर फाइनल मैच में उन्होंने ही पाकिस्तान के कप्तान मिसबाह उल हक का कैच लपककर टीम को चैंपियन बनाया था। वे क्रिकेट के अलावा कई टीवी शो और फिल्मों में भी काम कर चुके हैं।

इंडियन वेल्स और मियामी ओपन में नहीं खेलेंगे कोविड वैक्सीन ना लगवाने वाले नोवाक जोकोविच

न्यूयॉर्क

बीस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने कहा कि वह इंडियन वेल्स या मियामी में हार्ड कोर्ट टेनिस टूर्नामेंट नहीं खेल सकेंगे क्योंकि उन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगवाया है और वह अमेरिका यात्रा नहीं कर सकते। जोकोविच ने ट्वीट किया कि 'सेंटर्स फोर डिसीज कंट्रोल% ने पुष्टि की है कि नियमों में बदलाव नहीं होगा लिहाजा वह अमरीका में नहीं खेल सकेंगे। जोकोविच ने

इस साल सिर्फ एक टूर्नामेंट दुबई में खेला है और विश्व रैंकिंग में वह दूसरे स्थान पर खिसक गए। उन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगवाया है जिसकी वजह से वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन नहीं खेल सके थे। इंडियन वेल्स में बीएनपी परीबस ओपन के ड्रॉ में उनका नाम था हालांकि टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा था कि कोरोना टीके की पूरी डोज लेने वालों को ही इसमें खेलने की अनुमति रहेगी।

होल्डर और बोनेर ने वेस्टइंडीज की पारी को संभाला

सेंट जोंस

जैसन होल्डर और एनक्रूमा बोनेर ने वेस्टइंडीज को शुरूआती झटकों से निकालकर पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन चार विकेट पर 202 रन तक पहुंचाया। दोनों अब तक 75 रन की साझेदारी कर चुके हैं। एक समय वेस्टइंडीज ने चार विकेट 127 रन पर गंवा दिए थे। दोनों ने जोखिम नहीं लेते हुए इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना किया। इंग्लैंड के पास अभी भी 109 रन की बढ़त है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर होल्डर 43 और बोनेर 34 रन बनाकर खेल रहे थे। बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल समय से पहले समाप्त करना पड़ा। अपने कल के स्कोर छह विकेट पर 268 रन से आगे खेलते हुए इंग्लैंड ने 311 रन बनाए। क्रेग ब्रेथवेट और जॉन कैंपबेल ने 83 रन की साझेदारी की। इस दौरान दोनों ने 13 चौके और एक छक्का जड़ा।

कैंपबेल 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ब्रेथवेट ने 62 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन 55 के स्कोर पर मार्क वुड को विकेट गंवा बैठे। शामार ब्रूक्स ने 18 के स्कोर पर स्लिप में बेन स्टोक्स को कैच थमाया। वहीं जर्मेन ब्लैकवुड को वुड ने उस समय जीवनदान दिया जब उन्होंने खाता भी नहीं खोला था। वह 11 रन बनाकर क्रिस वोक्स का शिकार हुए। वेस्टइंडीज का स्कोर बिना किसी नुकसान के 83 रन था लेकिन उसने चार विकेट 16 ओवर और 44 रन के भीतर गंवा दिए। इसके बाद होल्डर और बोनेर ने पारी को संभाला। इससे पहले इंग्लैंड ने रात के स्कोर में 43 रन ही जोड़े। जॉनी बेयरस्टॉ 109 से 140 रन तक पहुंचे और आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। वेस्टइंडीज के लिये तेज गेंदबाज जेडेन सील्स ने 79 रन देकर चार विकेट लिए।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज़ ब्रीफ

आयुष्मान के तहत भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या छह महीने में दोगुनी हुई

नई दिल्ली। कोविड की स्थिति में सुधार के संकेत मिलने के बाद आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना (पीएम-जे) के तहत भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या पिछले छह महीने में लगभग दोगुनी होकर 15 लाख प्रतिमाह तक पहुंच चुकी है जो कोविड से पहले करीब 800,000 प्रतिमाह थी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) आर एस शर्मा कहते हैं, %संख्या टिकाऊ नहीं हो सकती है लेकिन इससे इस बात का अंदाजा मिलता है कि मांग बढने् से ही मरीजों की तादाद में तेजी देखी गई है। अब हालात सामान्य हो रहे हैं ऐसे में सरकार ने आयुष्मान भारत के दायरे को बढ़ाने के लिए विस्तृत योजना बनाई है ताकि इसके पात्र लोगों की पहचान की जाए, इसके दायरे को बढ़ाया जाए और अधिक अस्पतालों को इसमें जोड़ा जाए। इस योजना की सबसे बड़ी चुनौती लाभार्थियों की पहचान करना है। सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना 2011 से पीएम-जे को खुद ब खुद ही पात्रता मिल जाती है लेकिन सीमित डेटा भी काफी मुश्किल रहा है। एनएचए इस हफ्ते के बाद आयुष्मान आपके द्वार अभियान की शुरुआत करेगा जिससे सार्वजनिक तौर पर जागरूकता आएगी और उन लोगों तक पहुंच होगी जो इसका लाभ पाने के पात्र हैं लेकिन उन्हें इसकी जानकारी ही नहीं है। शर्मा ने कहा, %यह हमारी एक प्रमुख प्राथमिकता है। हम मुफ्त आयुष्मान कार्ड दे रहे हैं और इससे लाभार्थियों के बीच जागरूकता बढ़ेगी और इससे उन्हें कुछ वैधता भी मिलेगी क्योंकि वे अपने लिए कुछ योजना का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। जनवरी 2021 से ही इस योजना के तहत 4.5 करोड़ आयुष्मान कार्ड दिए गए हैं जो सितंबर 2018 में योजना की शुरुआत के बाद से 50 फीसदी से अधिक बढ़ गई है। पीएम-जे के तहत 35,000 करोड़ रुपये तक की लागत वाली 3 करोड़ अस्पताल भर्तियां हुई हैं। शर्मा ने कहा, %अगर ये सेवाएं लाभार्थियों द्वारा खुले बाजार के चैनलों के माध्यम से ली जातीं तब यह इस लागत का 1.5 से 2 गुना तक अधिक हो सकती थीं। एनएचए केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएच) का प्रबंधन करती है और इसने इस योजना से जुड़े अस्पतालों में से लगभग 25,000 अस्पतालों को आयुष्मान भारत से जुडने् के लिए कहा है ताकि लाभार्थियों की संख्या बढ़ सके। इन 25,000 अस्पतालों में से लगभग 40 फीसदी निजी अस्पताल हैं लेकिन अधिकृत अस्पताल भर्ती में इनका योगदान लगभग 66 फीसदी है। पैनल में शामिल सरकारी अस्पतालों की संख्या अधिक है क्योंकि ये आयुष्मान का हिस्सा स्वत~ ही बन गए हैं। पिछले साल सभी तरह के इलाज के लिए आयुष्मान भारत की योजना की दरों में बदलाव हुआ और इसके साथ ही स्वास्थ्य पैकेज की संख्या में भी बदलाव किए गए। अब इसमें और बदलाव लाने की योजना है जिसके तहत जांच से संबंधित समूह की पेशकश की नीतियों को और बेहतर बनाया जाना है।

रिलायंस ने फ्यूचर के 835 स्टोर्स की लीज खत्म की : बिग बाजार और फैशन बाजार हैं शामिल, रेवेन्यू में इनका योगदान 55 फीसदी

नई दिल्ली

किशोर बियानी के फ्यूचर रिटेल ने कहा कि उसे 835 स्टोर्स बंद करने का नोटिस रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से मिला है। इसमें से 342 लार्ज फॉर्मेट और 493 स्मॉल-फॉर्मेट हैं। फ्यूचर ग्रुप की लिस्टेड कंपनी फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (स्न्नक्र) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा है कि उसे मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ग्रुप से सब-लीज प्रॉपर्टीज की लीज समाप्ति का नोटिस मिला है। इसके बड़े फॉर्मेट वाले स्टोर में बिग बाजार और फैशन ड्ड बिग बाजार शामिल हैं। छोटे फॉर्मेट वाले स्टोर में ईज़ी डे और हेरिटेज स्टोर शामिल हैं।

342 बड़े फार्मेट के लिए मिला नोटिस:- स्न्नक्रू ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि अब तक कंपनी के 342 बड़े फॉर्मेट स्टोर जैसे बिग बाजार, ड्ड बिग बाजार और 493 छोटे फॉर्मेट स्टोर (जैसे ईज़ी डे और हेरिटेज स्टोर) के लिए नोटिस मिला है। फाइलिंग में आगे कहा गया है कि ये स्टोर ऐतिहासिक रूप से कंपनी के रिटेल रिवेन्यू ऑपरेशंस के लगभग 55 फीसदी से 65 फीसदी का योगदान दे रहे हैं।

फ्यूचर लाइफस्टाइल के 112 स्टोर के लिए रिलायंस ने दिया नोटिस

इसमें सेंट्रल ब्रांड के 34 आउटलेट हैं

कंपनी के 78 ब्रांड फैक्टरी स्टोर शामिल हैं

स्टोर स्टॉक के लिए परिचालन नहीं कर रहे हैं

कंपनी ने कहा कि अब ये स्टोर स्टॉक के लिए परिचालन नहीं कर रहे हैं। इस बीच, फ्यूचर ग्रुप की एक अन्य लिस्टेड कंपनी फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन्स (एफएलएफ) ने भी एक फाइलिंग में कहा कि उसे रिलायंस से 112 स्टोर्स के संबंध में समाप्ति नोटिस मिला है।

सेंट्रल के 34 आउटलेट शामिल

इसमें सेंट्रल के 34 आउटलेट और कंपनी के 78 ब्रांड फैक्टरी स्टोर शामिल हैं। कंपनी ने आगे कहा कि ये सभी रिटेल रेवेन्यू ऑपरेशन में 55 से 65 फीसदी तक का योगदान दे रहे हैं। अभी तक, ये स्टोर स्टॉक और इन्वेंट्री में समानता लाने के लिए चालू नहीं हैं। इन दोनों फाइलिंग में यह भी बताया गया है कि कंपनी रिलायंस समूह के साथ यथास्थिति बनाए रखने और विभिन्न शेयर होल्डर्स के हितों की रक्षा के लिए चर्चा कर रही है।

कोर्ट के बाहर सेटलमेंट होगा विवाद

इससे पहले, पिछले हफ्ते ही अमेजन और फ्यूचर रिटेल कोर्ट के बाहर सेटलमेंट करने के लिए तैयार हुए थे। यह विवाद फ्यूचर रिटेल में रिलायंस को बेची गई हिस्सेदारी को लेकर है। पिछले गुरुवार को सुप्रीमकोर्ट ने दोनों पक्षों को 12 दिन का समय दिया था।

निवेशकों का मिल सकता है खराब रिस्पांस

सबसे कम समय में एलआईसी के इश्यू को मंजूरी

» केवल 23 दिन में क्लीयर हुआ आईपीओ

नई दिल्ली

देश का सबसे बड़ा आईपीओ लेकर आ रही भारतीय जीवन बीमा निगम ने एक और रिकॉर्ड बनाया है। इसके इश्यू को केवल 23 दिनों में सेबी से मंजूरी मिल गई। यह अब तक का ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। इससे पहले मिसेज बैक्टर्स के इश्यू को 30 दिन में मंजूरी मिली थी। तब वह रिकॉर्ड था। इसका इश्यू 2020 में नवंबर में आया था। इसने 541 करोड़ रुपए जुटाए थे। सरकारी कंपनी रेलटेल कॉर्प के आईपीओ को अक्टूबर 2020 में 32 दिन में मंजूरी मिली थी। इसने 819 करोड़ रुपए जुटाए थे। सेवन आइसलैंड का इश्यू 35 दिन में क्लीयर हुआ था। इसका साइज 600 करोड़ का था।

मैक्रोटेक के इश्यू को 35 दिन में मंजूरी

इसी तरह से रियल्टी कंपनी मैक्रोटेक के इश्यू को 35, पारादीप को 37, इंडियन रेलवे फाइनेंस को 39, क्राफ्ट्समैन को 43 और अमी ऑर्गेनिक्स को 44 दिन में सेबी की मंजूरी मिली थी। एंटोनी को 45 दिनों में, विजया डायग्नोस्टिक को 46 और केम स्पेशियालिटी को 47 दिनों में सेबी ने मंजूरी दिया था। यह सभी इश्यू 2020 से 2021 के दौरान आए थे। इसमें सबसे ज्यादा रकम इंडियन रेलवे ने 4,633 करोड़ और सबसे कम रकम 300 करोड़ एंटोनी ने जुटाए थे।

कंपनी	दिन
मिसेज बैक्टर्स	30
रेलटेल कॉर्प	32
सेवन आइसलैंड	35
मैक्रोटेक	35
पारादीप	37
इंडियन रेलवे फाइनेंस	39

दो महीने तक का लगता है समय

अमूमन सेबी किसी भी इश्यू के लिए एक से दो महीने का समय लेता है। हालांकि दो महीने का समय बहुत ही कम मामलों में लिया जाता है। पर एलआईसी के मामले में इसने केवल 23 दिन ही लिया और इसे पास कर दिया। एलआईसी ने 13 फरवरी को सेबी के पास मसौदा जमा कराया था और इसी हफ्ते इसे मंजूरी मिल गई।

63 हजार करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद

एलआईसी कंपनी में 5 फीसदी हिस्सा बेचकर 63 हजार करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। हालांकि बाजार में इस समय रूस और यूक्रेन की लड़ाई की वजह से चल रहे उथल-पुथल से यह इश्यू अगले महीने तक टलने की संभावना है। ऐसा माना जा रहा है कि इसके आईपीओ पर बाजार की गिरावट का असर दिख सकता है।

जल्दीबाजी में नहीं लाना चाहिए

उधर, इन्वेस्टमेंट बैंकर्स का कहना है कि एलआईसी के इश्यू को जल्दीबाजी में नहीं लाना चाहिए, क्योंकि बाजार की स्थिति अभी इस तरह की नहीं है। वैसे वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि वे इस बात पर चर्चा कर रही हैं कि कब तक इसे लाया जा सकता है। सेबी ने दर्जनों इश्यू को मंजूरी दी है और यह सभी अगले महीने या फिर मई तक के लिए टाल दिए गए हैं।

प्राइस बैंड तय करने का प्रोसेस:- सेबी से मंजूरी मिलने के बाद अब एलआईसी का अगला प्रोसेस प्राइस बैंड को तय करना होगा। एलआईसी बोर्ड और इन्वेस्टमेंट बैंकर्स मिलकर इसे करेंगे। कंपनी ने अपना रोड शो पूरा कर लिया है और अब वह आगे की तैयारी कर रही है। जानकारों का मानना है कि बाजार की खराब स्थितियों का सीधा असर रिटेल और बड़े निवेशकों पर दिखेगा, जिससे इस इश्यू को कम रिस्पांस मिल सकता है।

विमानन कंपनियों की नई उड़ान

मुंबई

विमानन कंपनियां मार्च के आखिर से नई उड़ानें शुरू करेंगी, जिससे भारतीय लोगों को यात्रा के ज्यादा विकल्प मिलेंगे। मलेशियन एयरलाइंस और टर्किश एयरलाइंस दो साल बाद भारत की उड़ानें शुरू कर रही हैं। एयर फ्रांस-केएलएम और लुफ्थांसा समूह गर्मियों के लिए निर्धारित उड़ानों में अपनी मौजूदा सेवाएं धीरे-धीरे बढ़ाएंगे। भारत में परिचालन कर रही सबसे बड़ी विदेशी विमानन कंपनी एमिरेट्स भी हर सप्ताह 172 उड़ानों के कोरोना से पहले के स्तर को बहाल करने के बारे में विचार कर रही है। कंपनियों की तरफ से ये तैयारियां इसलिए की जा रही हैं क्योंकि नागर उड्डयन मंत्रालय ने 27 मार्च से नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बहाल करने की घोषणा की है। मलेशिया एयरलाइंस ने एक बयान में कहा, %विमानन कंपनी मांग के आधार पर दिल्ली, बेंगलूरु, मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद जैसे उन शहरों के लिए क्षमता में धीरे-धीरे बढ़ोतरी करेगी, जहां वह परिचालन करती है। हम 2022 के आखिर तक कोरोना से पहले की करीब 70 फीसदी क्षमता हासिल करने के बारे में विचार कर रहे हैं।% टर्किश एयरलाइंस मुंबई और दिल्ली की अपनी दैनिक सेवा को बहाल कर रही है और सफर में एक उड़ान से उतरकर दूसरी में सवार होने के बीच लंबा समय लगने के कारण यात्रियों को इस्तांबुल में 1 से 2 रात होटल में मुफ्त ठहरने की पेशकश कर रही है। इस महामारी से पहले भारत का करीब 60 देशों से सीधा हवाई संपर्क था। इस समय 37 देशों के साथ वायु परिवहन बबल करार हैं। हालांकि बबल करारों से निर्धारित उड़ानों की मंजूरी मिलती है, लेकिन क्षमता और गंतव्य स्थलों के लिए टिकटों की बिक्री पर प्रतिबंध हैं।

छत्तीसगढ़ में भी बहाल होगी पुरानी पेंशन

नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बुधवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 202223 का बजट पेश किया। बघेल के पास वित्त विभाग का भी प्रभार है। बघेल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 1,04,000 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में पुरानी पेंशन योजना को लागू करने तथा छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल और छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में राज्य के स्थानीय प्रतिभागियों का परीक्षा शुल्क माफ करने समेत कई अन्य घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि नवा रायपुर में सेवा ग्राम की स्थापना की जाएगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 100 करोड़ रुपये है। बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का सकल वित्तीय घाटा 14,600 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 3.3 प्रतिशत है। वर्ष 2022-23 के लिए कुल प्राप्तियां 1,04,000 करोड़ रुपये पर शुद्ध खर्च 1,04,000 करोड़ रुपये अनुमानित है। उन्होंने कहा कि राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियां 89,073 करोड़ रुपये तथा कुल राजस्व व्यय 88,372 करोड़ अनुमानित है। इसलिए वर्ष 2022-23 में कुल 701 करोड़ के राजस्व अधिशेष का अनुमान है। बघेल ने बताया कि वर्ष 2022-23 के लिए बजट में किसी नए कर का प्रस्ताव नहीं है। मुख्यमंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि उनकी सरकार ने पहले वर्ष में ही 17,96,000 किसानों का 8,744 करोड़ रुपये का कृषि ऋण माफ किया है। किसानों से धान की खरीदी 2,500 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर की गई। खरीफ 2018 के धान के लिए 15,77,000 किसानों को 6,022 करोड़ रुपये की बोनस राशि का तत्काल भुगतान किया गया।

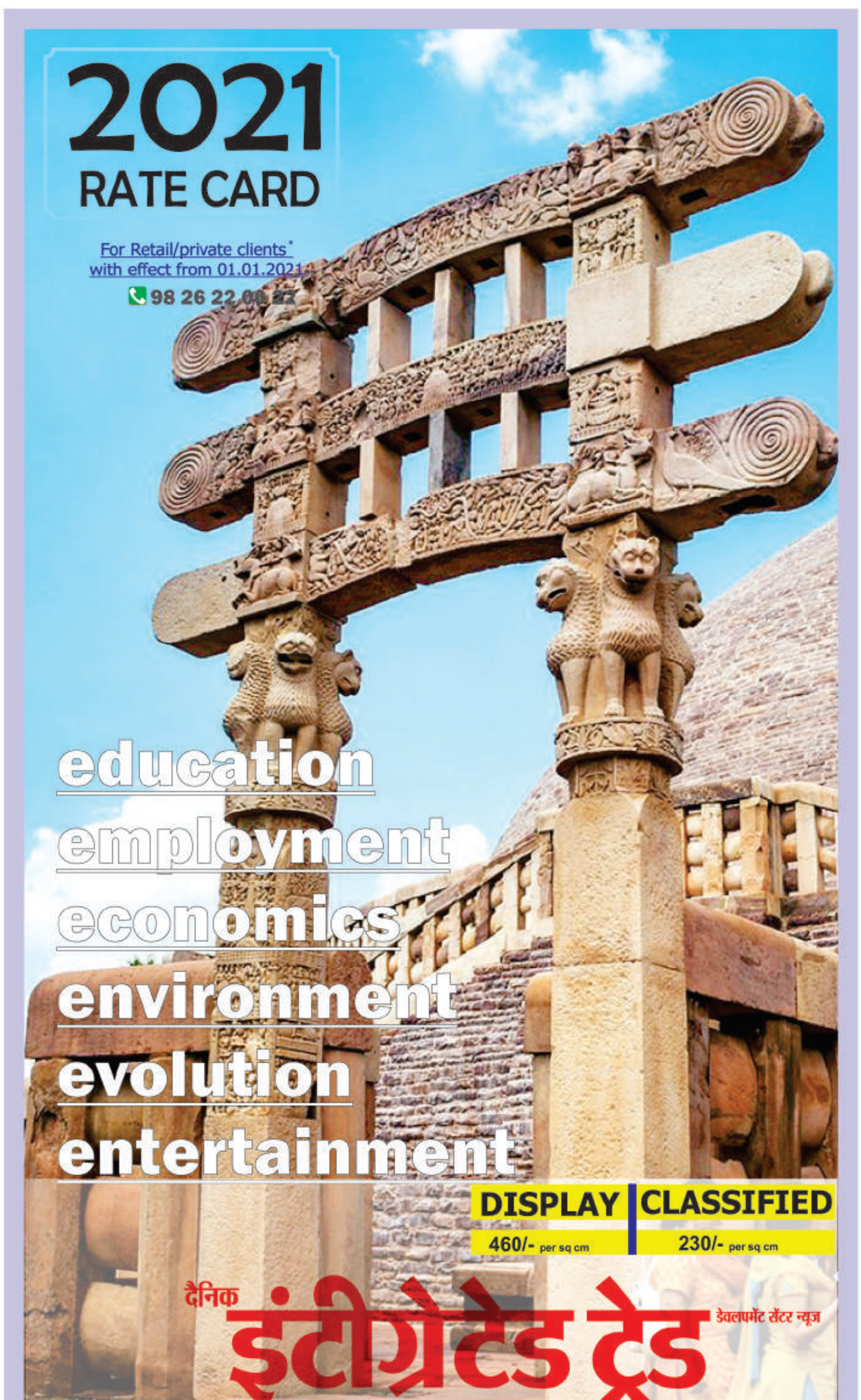

लड़ाई का असर शादी पर:सोने के दाम बढ़े तो शादियाँ कैंसिल होने लगीं, 15 दिन में 7 फीसदी से ज्यादा महंगा हुआ

नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का फिलहाल कोई अंत न होता देख भारत के गोल्ड मार्केट पर असर दिखने लगा है। अब यहाँ सोना 53,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया है। देखा जा रहा है कि अक्सर लोग जौहरियों को दिए गए अपने ऑर्डर्स रद्द करने लगे हैं।

अप्रैल-मई की शादियां टल रही हैं

यह भी देखा जा रहा है कि लोग अप्रैल और मई की शादी के लिए अपनी योजना को टाल रहे हैं। बड़े-बड़े ट्रेड बॉडीज का कहना है कि छोटे बजट वाली शादियों को टाला जा रहा है, क्योंकि वे सोने की कीमतों में कमी होने का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा ट्रेंड दक्षिण भारत में अधिक दिखाई देता है, जहां सोने का लेन-देन किसी भी शादी में काफी प्रचलित होता है।

झवेरी बाजार में कारोबार पर असर:- इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (ढ्ढक्चछ्व) के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता ने कहा कि देश के सबसे बड़े सोने के केंद्र झवेरी बाजार में सोने का कारोबार ठप हो गया है। ऐसा इसलिए, क्योंकि पिछले हफ्ते से सोने की कीमत तेजी से बढ़ गई है। लोग ऑर्डर रद्द करने लगे हैं।

सोने की कीमतें 15 दिन में 7 फीसदी से ज्यादा बढ़ीं:- गौरतलब है कि पिछले एक पखवाड़े में सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम 7.38 फीसदी बढ़कर 49,938 रुपए से 53,595 रुपए हो गई है। इसने खरीदार के बजट को हिला दिया है। कोयंबटूर ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बी सबरीनाथ ने कहा कि तमिलनाडु और दक्षिण भारत के अन्य हिस्सों में कई परिवार शादियों को दो महीने तक के लिए टाल रहे हैं क्योंकि उनका बजट खराब हो रहा है।

देश में सालाना कुल खपत का 40% हिस्सा यहीं खपता है

छोटी-छोटी शादियां अब आगे टाली जा रही हैं

रूस-यूक्रेन की लड़ाई रुकने का इंतजार हो रहा है

15-20 फीसदी शादियां टल गई हैं:- ट्रेड बॉडीज ने संकेत दिया है कि सोने की बढ़ती कीमतों के कारण लगभग 15-20 फीसदी शादियों की तारीख आगे बढ़ा दी गई हैं। बी सबरीनाथ बताते हैं कि छोटे बजट की शादियों को बड़े पैमाने पर दो महीने के लिए टाला जा रहा है, क्योंकि वे इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि रूस-यूक्रेन मोर्चे पर क्या होता है या कब खत्म होता है। वे युद्ध के जल्द से जल्द खत्म होने की उम्मीद कर रहे हैं ताकि सोने की कीमतें नीचे आ सकें और स्थिर हो सकें।

दक्षिण भारत सोने का बड़ा बाजार

हमेशा से दक्षिण भारत देश में सोने का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। चार दक्षिणी राज्यों में भारत की कुल वार्षिक सोने की 800-850 टन खपत का 40 फीसदी से अधिक हिस्सा यहीं खप जाता है। सोने की खपत में तमिलनाडु सबसे आगे है, उसके बाद केरल है। मुंबई के एक प्रसिद्ध ज्वेलर्स ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी शुरू होने के बाद खुदरा विक्रेताओं और थोक विक्रेताओं के ऑर्डर बहुत कम हो गए हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)